वर्ष-10, अंक-200
इन्दौर, बुधवार
16 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

न्यूज़ ब्रीफ

अभिनेता अतुल परचुरे का निधन

मुंबई (एजेंसी)। प्रसिद्ध अभिनेता अतुल परचुरे, जो द कपिल शर्मा शो में अपने विभिन्न किरदारों के लिए पहचाने जाते थे, का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 57 साल की उम्र में कैंसर से लड़ते हुए उन्होंने आखिरी सांस ली।

नीदरलैंड जर्मनी से 46 लेपर्ड2 टैंक खरीदेगा

बर्लिन(एजेंसी)। नीदरलैंड, जर्मनी से 46 लेपर्ड2 टैंक खरीदेगा, जिसकी पहली खेप 2027 में मिलने की उम्मीद है। इस रक्षा मंत्रालय ने सोमवारो को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है, इस रक्षा मंत्रालय 46 लेपर्ड2 युद्धक टैंक खरीदेगा। नीदरलैंड जर्मन सरकार की इसी पहल में शामिल हो रहा है।

लॉरेंस से पूछताछ करने कस्टडी चाहती है पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में गिरफ्तार तीसरे आरोपी प्रवीण लोनकर की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। 21 अक्टूबर तक पुलिस आरोपी से पूछताछ कर सकती है। पुलिस के मुताबिक प्रवीण का भाई शुभम जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। बिश्नोई गैंग ने ही बाबा सिद्दीकी की हत्या की है। इस हाई प्रोफाइल मामले में लॉरेंस बिश्नोई का नाम आने के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर

पन्नू की हत्या की कोशिश करने का आरोपी खुफिया अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किया है। भारत ने अमेरिका को इसकी जानकारी दी है। भारत ने बताया कि यह अधिकारी अब सेवा में नहीं है। भारत सरकार का कहना है कि आरोपों के बाद गठित उच्च स्तरीय जांच समिति इस व्यक्ति के अन्य संबंधों की जांच कर रही है। इस बारे में जांच के लिए भारतीय जांच दल भी अमेरिका जाएगा।

4 साल की मासूम के रेप मामले में सियासत गर्म

धमतरी (एजेंसी)। जिले में हुई 4 साल की मासूम के रेप मामले में अब सियासत गर्म होती जा रही है। कांग्रेस ने मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई है। अब इसे लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना 18 सितंबर की है। महीने भर बाद कांग्रेस द्वारा समिति घोषित करना आश्चर्यजनक और हास्यास्पद है। यदि कांग्रेस की जांच दल पीड़िता के गांव जाएगी तो पीड़िता की पहचान उजागर होगी। अगर कांग्रेसी पीड़िता के गांव जाते है तो कार्रवाई की मांग करेंगे।

मस्क ने ऑप्टीमस जेन 2 ह्यूमनॉइड रोबोट किया पेश

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने ऑप्टीमस जेन 2 ह्यूमनॉइड रोबोट को पेश किया है। मस्क ने 11 अक्टूबर को कैलिफोर्निया के बरबैंक में इस अत्याधुनिक रोबोट का अनावरण किया। यह रोबोट इंसानों की तरह चलने, बात करने और कई रोजमर्रा के कार्यों में निपुण है, जो पहले संभव नहीं थे। ऑप्टीमस जेन 2 न केवल कुत्ते को घुमा सकता है, बल्कि बच्चों की देखभाल, घास काटने और ड्रिंक्स सर्व करने जैसे काम भी कर सकता है।

नासा ने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमा यूरोपा का अध्ययन करने रॉकेट किया लॉन्च

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बृहस्पति ग्रह के चंद्रमा यूरोपा के अध्ययन के लिए रॉकेट लॉन्च किया है। फ्लोरिडा के केप केनवरल स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से यूरोपा क्लिपर नाम का स्पेसक्राफ्ट के फॉल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया। इस यान को यूरोपा तक पहुंचने में 2030 तक का समय लगेगा। यूरोपा क्लिपर एक रोबोटिक सोलर पावर्ड यान है। यह बृहस्पति ग्रह की कक्षा यानी ऑर्बिट में 2030 में प्रवेश करेगा।

मुख्यमंत्री ने किया पदक विजेता खिलाड़ी मानवी जैन का स्वागत

इंदौर।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने हाल ही में पेरू में आयोजित विश्व जूनियर शूटिंग चैंपियनशिप में 25 मीटर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक और टीम गेम में नए विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाली इंदौर की युवा खिलाड़ी मानवी जैन को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवम तुलसी सिलावट ने भी मानवी जैन को स्वर्णिम उपलब्धि पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को मिठाई भी खिलाई।इस मौके पर मध्यप्रदेश ओलंपिक एवम शूटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विधायक रमेश मेंदोला ,शहर बीजेपी अध्यक्ष गौरव रणदिवे , महापौर पुष्पमित्र भार्गव और प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा भी मौजूद थे। प्रारम्भ में प्रदेश भाजपा के सह मीडिया प्रभारी दीपक जैन टीनू ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मानवी जैन, बड़ी बहन राष्ट्रीय पदक विजेता सूर्यांनी जैन एवं राष्ट्रीय पदक विजेता पिता विवेक जैन की उपलब्धियों की जानकारी दी। स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के अध्यक्ष प्रवीण कुमार खारीवाल ने मुख्यमंत्रीजी से अनुरोध किया कि प्रदेश में निशानेबाजी के खिलाड़ियों को भी उचित प्रोत्साहन दिया जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेल विभाग से हरसंभव सहयोग का वादा किया।

बाबा सिद्दीकी मर्डर: शुभम के फ्लैट में रची गई साजिश

मुंबई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई थी और शूटरों को टारगेट की पहचान के लिए फोटो और फ्लेक्स बैनर दिया गया था।66 साल के राजनेता की सनसनीखेज हत्या की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच ने साजिश में पुणे के प्रवीण लोनकर और उसके भाई शुभम लोनकर की कथित भूमिका का खुलासा किया है।एक पुलिस अधिकारी ने कहा, वांटेड आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या के पीछे के मकसद का पता चलेगा। पुलिस ने लोनकर भाइयों की पहचान मुख्य आरोपियों के तौर पर की है। दोनों ने कथित तौर पर शूटरों को कॉन्ट्रैक्ट दिया, कोऑर्डिनेट किया और हमले के लिए बैठकें मीटिंग कीं। प्रवीण और शुभम ने शिवकुमार गौतम और धर्मराज कश्यप नामक शूटरों की भर्ती की।पुलिस के मुताबिक साजिश को अंजाम देने से पहले कई मीटिंग हुईं। इसमें साजिश सफल होने पर पर्याप्त पैसे का वादा किया गया था।

150 से ज्यादा सीटों पर लड़ेगी बीजेपी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा तय हो गया है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी 150 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के बीच गठबंधन के तहत यह फैसला लिया गया है। महाराष्ट्र में भाजपा के प्रमुख सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित पवार गुट) हैं और इस गठबंधन के तहत सीटों का बंटवारा किया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए सहयोगियों के बीच सीटों का बंटवारा लगभग तय हो गया है। भाजपा 150 से अधिक सीटों पर लड़ेगी। अन्य सीटों पर एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के बीच बंटवारा होगा। महयुति गठबंधन में बीजेपी बड़े भाई की भूमिका में तो शिवसेना दूसरे नंबर पर और अजीत पवार की एनसीपी तीसरे नंबर की रहेगी।

सिडनी विश्वविद्यालय में रासायनिक पदार्थ से जलने तीन लोग जख्मी

सिडनी, (एजेंसी)। फ्रांस के सिडनी विश्वविद्यालय में मंगलवार को हुए रासायनिक पदार्थ से तीन लोग जख्मी हो गये, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायर एंड रेस्क्यू न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) ने कहा कि मंगलवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे डार्लिंगटन के आंतरिक शहर उपनगर में स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी स्पोर्ट्स एक्वेटिक सेंटर में आपातकालीन दल को बुलाया गया, जहाँ एक व्यक्ति के रासायनिक रूप से जलने की सूचना मिली थी।जख्मी लोगों में एक विश्वविद्यालय कर्मचारी और दो राहगीर हैं।

फ्रीबीज पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को सुको ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रीबीज के खिलाफ दायर नई याचिका में कहा गया है कि फ्री में भोजन नहीं दिया जा सकता है और चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया है कि वह चुनाव से पहले की अवधि के दौरान सियासी दलों द्वारा मुफ्त में दिए जाने वाले उपहारों के वादे करने पर रोक लगाने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए. सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा फ्रीबीज देने के वादे को रिश्वत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र और भारत के चुनाव आयोग (ECI) को नोटिस जारी किया है. याचिका में यह भी गुजारिश किया गया है कि चुनाव आयोग ऐसे वादों पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाए. सुप्रीम कोर्ट में विधानसभा और लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा दी जाने वाली फ्रीबीज से जुड़ी नई याचिका दायर की गई है.

ताइवान के द्वीप के आसपास 153 चीनी विमान

बीजिंग (एजेंसी)। ताइवान ने पिछले दिनों अपने द्वीप के आसपास चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 153 विमानों और पीएलए नौसेना (पीएलएएन) के 14 लड़ाकू जहाज सहित 26 जहाजों को सैन्य अभ्यास करते हुए देखा। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चीन ने सोमवार को द्वीप के प्रमुख बंदरगाहों और क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से हमला करने और सुरक्षा नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए ताइवान के चारों ओर संयुक्त सोर्ड-2024बी सैन्य अभ्यास शुरू किया।

कनाडा पर मानहानि का केस कर सकता है भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की ट्रूडो सरकार ने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप निज्जर मामले पर भारत पर बड़ा आरोप लगा दिया. इससे भड़के देश ने न सिर्फ अपने उच्चायुक्त और राजनयिकों को वापस बुलाया, बल्कि दिल्ली में मौजूद कनाडाई डिप्लोमेट्स को निष्कासित कर दिया. ये बहुत बड़ी चेतावनी है. लेकिन क्या बेबुनियाद आरोपों को लेकर भारत सरकार कनाडा पर मानहानि का केस भी दायर कर सकती है? सिख चरमपंथी लीडर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत और कनाडा के रिश्ते बेहद कड़वे हो चुके. कनाडाई सरकार के बेसिर-पैर आरोपों से नाराज देश ने न केवल अपने डिप्लोमेट्स को वापस बुला लिया, बल्कि दिल्ली से भी कनाडाई राजनयिकों को वापस भेज दिया. इधर टोरंटो में पीएम जस्टिन ट्रूडो की लोकप्रियता लगातार कम हो रही है, इसके बाद भी वहां बसे सिख समुदाय से उनका लगाव कम नहीं हो रहा. रविवार को कनाडा से भारतीय विदेश मंत्रालय को एक डिप्लोमेटिक कम्युनिकेशन मिला।

कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

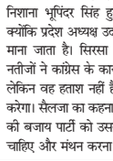

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है। सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार की पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उपचुनाव में PK उतारेंगे अपना उम्मीदवार

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में आगामी उपचुनाव लड़ने के फैसले पर जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने प्रशांत किशोर के फैसले पर तंज कसते हुए कहा कि पहलवान की ताकत अखाड़े में ही उजागर होती है। आइये देखते हैं प्रशांत किशोर कैसे पहलवान हैं। जन सुराज को लोगों से मिलने से कोई नहीं रोक सकता। जनता को फैसला करने दीजिए। पहले लोकसभा के लिए चुने गए मौजूदा विधायकों के इस्तीफे के बाद इमामगंज, बेलागंज, रामगढ़ और तरारी विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव नवंबर में होंगे।

बम से उड़ाने की धमकी देने वाले 4 नाबालिग हिरासत में

रायपुर (एजेंसी)। मुंबई से उड़ने वाले तीन विमानों और मुंबई-हावड़ा मेल को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई हुई है। मुंबई पुलिस ने राजनांदगांव में दबिश देकर 4 नाबालिग संदेहियों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि चार नाबालिग कारोबारी के बेटे हैं। वहीं चारों ने ऐसा क्यों किया अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। सोमवार को फ्लाइट को बम की उड़ाने की धमकी से यात्रियों में हड़कंप मच गया। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे विमान की दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें 239 यात्री सवार थे। बाकी दो विमान इंडिगो के थे, जो जेद्दाह व मस्कट जाने वाले थे। तीनों विमानों की तलाशी में कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। इधर मुंबई-हावड़ा मेल को टाइमर बम से उड़ाने की धमकी मिली। ट्रेन को जलगांव स्टेशन पर रोककर जांच की गई। दो घंटे बाद इसे रवाना कर दिया गया। वहीं जांच पड़ताल में पता चला कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पर एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी देने वाला छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से है।

उच्च सदन जाएंगे फारूक अब्दुल्ला!

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में सरकार के शपथ ग्रहण के बाद लगभग चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है. गठबंधन ने केंद्र शासित प्रदेश में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं।

'....ये बूढ़ा रुकेगा नहीं'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का एलान होने ही वाला है। इन चुनावों में महायुति को टक्कर देने के लिए महाविकास अघाड़ी ने कमर कस ली है। खासकर राज्य के अनुभवी नेताओं ने आगे आकर अपने दलों की कमान संभाल ली है। इनमें सबसे आगे राकांपा-एससीपी के नेता शरद पवार का नाम है, जिन्होंने अपनी उम्र और राजनीति को लेकर अहम बयान दिया है। पवार ने कहा है कि वे चाहे 84 वर्ष के हो जाएं या 90 साल के, वे तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक महाराष्ट्र को सही रास्ते पर नहीं ले जाते। दरअसल, हाल ही में जब शरद पवार चुनाव से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी कुछ युवाओं ने उनके सामने एक बोर्ड का प्रदर्शन किया, जिसमें पवार की उम्र को लेकर तंज कसा गया था। इसमें लिखा था- 84 साल पुराना। वृद्धावस्था को लेकर इस कटाक्ष पर शरद पवार ने यह बात कही। शरद पवार ने उस पोस्टर को लेकर ही अपना जवाब दिया है। उन्होंने कहा, आप चिंता न करें। हमें बहुत दूर तक जाना है। ये बूढ़ा आदमी रुकेगा नहीं। चाहे 84 वर्ष का हो जाऊं या 90 का।

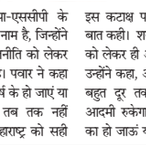

बारिश से चार लोगों की मौत

चेन्नई, (एजेंसी)।

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुई और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

लेबनान ने इजरायल में 115 गोले दागे

बेरूत, (एजेंसी)। लेबनानी शिया आंदोलन हिजबुल्लाह ने इजरायल पर लगभग 115 गोले दागे हैं। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी।

रूसी वायु रक्षा ने तीन यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट किया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगोरोड, कुर्स्क और तुला क्षेत्रों में सोमवार रात तीन यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट कर दिया।

तीनों सेनाओं के पास आएंगे ताकतवर 31 हंटर-किलर ड्रोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिलिट्री की ताकत अब कई गुना बढ़ने वाली है. अमेरिका के साथ 32 हजार करोड़ रुपए से 31 एमक्यू-9बी प्रिडेटर ड्रोन की डील हो गई है. अगर यह डील 31 अक्टूबर से पहले न होती तो फिर इस डील में काफी ज्यादा देरी होने की आशंका थी. इस डील के तहत भात में ड्रोन्स के मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल के लिए फैसिलिटी भी बनाई जाएगी. यानी इस डील की कुल कीमत है 34,500 करोड़ रुपए. इस डील के तहत 31 ड्रोन्स में से तीनों सेनाओं को अलग-अलग संख्या में ड्रोन्स मिलेंगे. पिछली साल 21 से 24 जून के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर गए थे. उस दौरान अमेरिका ने 31 HALE ड्रोन का प्रस्ताव दिया था. HALE यानी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस. मतलब ये MQ-9B हंटर किलर ड्रोन अधिक ऊंचाई पर लंबे समय तक उड़ान भर सकता है. इसे प्रिडेटर या रीपर भी बुलाते हैं. दुनिया का सबसे खतरनाक ड्रोन है।

संपादकीय

बचत पर ध्यान दें

आज के दौर में दिखावे पर खर्च करना निम्न और मध्यम वर्ग में बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया है। दिखावे के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में गैर जरूरी खर्च लोग दिखावे के लिए कर रहे हैं। हवाई जहाज और ट्रेनों में आसानी से टिकट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। मध्यवर्ग के लोग हैसियत नहीं होने के बाद भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। रेलवे में एसी पर यात्रा करना आज-कल दिखावे के रूप में निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों में किया जा रहा है। यात्रा के दौरान टिकट से कई गुना ज्यादा पैसा ब्रांडेड सामग्री को खरीदने और खाने-पीने की चीजों में खर्च किया जा रहा है। एयरपोर्ट में कई गुने दामों में बिकने वाले सामान पर काफी पैसा खर्च किया जा रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के बीच में ब्रांडेड महंगी चीजों पर खर्च करना स्टेटस सिंबल बन गया है। वह भी उनके सामने जिन्हें वह जानते भी नहीं हैं। सोचने वाली बात है, कि इस तरह की फिजूलखर्ची के पीछे युवा वर्ग बड़ी तेजी से पैसे खर्च कर रहा है। छोटी-छोटी बचत से बड़ी रकम को बचाया जा सकता है। ऑनलाइन खरीदी की लत युवा वर्ग को बड़ी तेजी के साथ लगती चली जा रही है। मोबाइल फोन पर नई-नई चीज देखकर उन्हें खरीदने की आदत युवा वर्ग में नशे की तरह बढ़ती चली जा रही है। ऑनलाइन खरीदे गए सामान उनके लिए कितने उपयोगी हैं, कितने गैरजरूरी हैं, इसकी समझ भी उन्हें नहीं है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि कर्ज लेकर खर्च करना आज-कल के युवाओं का स्टेटस सिंबल बन गया है। आज की युवा पीढ़ी यह भूल गई कि उनके अपने परिवार के बुजुर्ग अपने समय में हमेशा जरूरत की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते थे। वही चीज खरीदते थे, जो उनके लिए उपयोगी और जरूरी होती थीं। खर्चे में वो कभी कोई कमी नहीं करते थे, लेकिन जरुरत के लिहाज से ही खरीदी होती थी। बगैर जरुरत की चीजों में पैसा नहीं फेंका जाता था। अपनी आय के अनुरूप जरूरी खर्चों के बाद बचत करने पर विशेष रूप से ध्यान देते थे। यही नहीं हमारे बुजुर्ग कभी भी किसी के सामने अपनी आर्थिक स्थिति का भान होने नहीं देते थे। इन सब बातों के विपरीत आज का युवा वर्ग दिखावे की मानसिकता के चलते खर्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं।

एक देश एक चुनाव

सरकार क्यों एक देश एक चुनाव कराना चाहती है इसका मतलब विरोधी खूब समझ रहे हैं। मगर अभी चुप हैं कुछ नहीं बोल रहे हैं। एक रोज मैं एक विरोधी पार्टी के नेता से पूछा क्या आप भी एक देश एक चुनाव के पक्ष में सहमत हैं? मेरी बात सुनकर नेता जी बोल उठे और कहने लगे तुम हमें बेवकूफ समझ रहे हो ।दस साल से यह सरकार खूब बेवकूफ बना रही है। याद है इस सरकार ने करोना में ताली थाली लोटा बजवा दिया। बेवकूफ जनता को बना दिया। भारत को धर्म गुरु बनाने के लिए अंधभक्तों को मूत पीला दिया गोबर खिला दिया। इतना ही नहीं भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के नाम पर रेल तेल हवाई अड्डा और देश को बेच डाला। धर्म के नाम पर इसने चर्बी की बनी लड्डू खिला डाला ई वी एम और चुनाव आयोग पर अपना अधिकार जमा लिया। जहां यह चुनाव हारे हैं वहां बेइमानी से जीत जाते हैं। जनता से जो भी वादा करते हैं चुनाव जीतने पर मुकर जाते हैं। न पन्द्रह लाख दिए न दो करोड़ नौकरी दिए न मंहगाई कम की। अब तो इनकी मंसा है एक बार देश में चुनाव करा कर नीचे से उपर तक की सारे पदों पर अपने चहेतों को बेइमानी से बैठाकर राज करें ताकी जनता इनका गुलाम बनी रहे। हम और हमारी पार्टी ऐसा नहीं होने देंगे और एक राष्ट्र एक चुनाव का संसद से सड़क तक विरोध करेंगे। हम इनकी मंसा को भली भांति जानते हैं। सत्ता के यह इतने भूखे हैं कि प्रधानी नगर पालिका अध्यक्ष नगर निगम मेयर एम एल सी वी डी सी ब्लाक प्रमुखी राज्य सभा विधान सभा सांसद की सारी कुर्सी बस इनको चाहिए। यही है इनका एक देश एक चुनाव का मतलब। जनता जिसे वोट देकर जीताना चाहती है वह हार जाता है। और जो हार रहा होता है वह जीत जाता है। देश में लोक तंत्र की खुल्लम खुल्ला हत्या हो रही है।

जनता मंहगाई बेरोजगारी से रो रही है। पांच किलो राशन के पिछे जनता अपना भला बुरा नहीं सोच रही है। यह सनातन सनातन चिल्ला रहे हैं हिन्दूओं को खूब उल्लू बना रहे हैं। बस धर्म के नाम पर सत्ता हथिया रहे हैं। बस बस नेता जी आप ने तो एक देश एक चुनाव का पोल ही खोल डाला। जनता को आप की बात है समझाने वाला ।एक देश एक चुनाव का आप ने सच्चाई बता डाला। नेता जी इंटरव्यू देकर जाने लगे। हम मन ही मन खुशी मनाने लगे।

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान
गल्ला मंडी गोलाबाजार 273408
गोरखपुर उ. प्र.

मेरी अटरिया पर कागा बोले

व्यंग्य

वक्रासन

पितृपक्ष के बाद घर की छत पर घूमते हुए अचानक मुंडेर पर कौवे महाराज को बैठे देख कर चौकना लाजमी था क्योंकि पितृ पक्ष के उन सोलह दिनों में कौवों का महत्त्व बढ़ जाता है और इंतजार रहता है । हमने कौतूहल से कौवे महाराज से पूछा , पूरा पितृपक्ष निकल गया हम आपका इंतजार करते रहे आपके दर्शन नहीं हुए।

हमें अपने पितरों को आपके माध्यम से भोग पहुँचाना था। एक वह समय था जब आप काँव -काँव करते करते हुए उड़ते रहते थे। कभी कभी मुंडेर पर बैठकर हमारे घर मेहमान आने वाले है इसका इशारा भी करते थे। कौवे महाराज से बड़ी निराशा से जवाब दिया आप तो कही भी चार डंडे गाड़कर झुग्गी बना कर रह लोगे , पक्के मकान बनाकर भी रह लेते हो , हमारा बसेरा तो पेड़ों पर ही होता है। आपने अपनी सुविधा को देखते हुए विकास के नाम पर सारे बड़े -बड़े और पुराने पेड़ काट डाले। जब पितृपक्ष आता है तब हमारी याद आती है। जब धड़ाधड़ पेड़ काट रहे थे तब नहीं सोचा कि हम जैसे पक्षी अपना बसेरा कहाँ और कैसे बनाएंगे। हमें घने पेड़ों में अपना घरौंदा बनाना अच्छा लगता है। आप लोग भी तो हरियाली में रहने के लिए फार्म हाउस के नाम पर शहर से दूर घर बनाकर रहना पसंद करते हो कि नहीं ? स्वच्छता के नाम पर आपने कचरा फेंकना भी बंद कर दिया। कचरे से ढूंढ-ढूंढ कर कीड़े -मकोड़े और जीव -जंतु खाकर हम अपना पेट भर लिया करते थे। सफाई में हम आपकी मदद ही करते थे।

खेतों में भी कीड़ें -मकोड़े खा कर हम आप लोगों की फसलों को उनसे खराब होने से बचा लेते थे। आप लोगों ने हम से ज्यादा कीटनाशक दवाइयों पर भरोसा किया और हमारा को खेतों में भी जाना बंद करवा दिया। अब तो आपको चोवीस घंटे हाथ में मोबाइल चाहिए। मोबाइल के बिना तो आपका काम ही नहीं चलता। मोबाइल में डाटा जल्दी और तेज चले इसलिए 4जी , 5जी की स्पीड भी चाहिए। जगह - जगह बड़े और ऊँचे टॉवर खड़े कर दिए है।

हमारा खुले आसमान में उड़ना भी बंद कर दिया। कभी इस बारे में सोचा कि पक्षियों का इन टावरों से कि उनकी सेहत पर क्या असर होगा ? हम पक्षियों की पैदावार पर इन टावरों से असर हो रहा है, पक्षियों की संख्या कम होती जा रही है । हमें अपने घरोंदे बनाने के लिए ठिकाने नहीं बचे है। अपने पितरों को मरने के बाद भोग लगाने के बहाने हमें याद करते हो। कुछ लोग तो जीते जी उन्हें अपने साथ नहीं रखते , वृद्धाश्रम में छोड़ आते है। मेरे पूर्वजों की एक गलती के कारण मुझे यह दिन देखने पड़ रहे है। एक ऋषि ने अमृत खोज कर लाने को कहा था और यह आज्ञा दी थी कि इसे पीना नहीं है , उसके बाद भी उन्होंने पी लिया था और श्राप मिला था कि हमें अछूत समझा जाएगा। यह सजा भी दी गई कि पितृपक्ष में हमें पितरों का प्रतीक माना जाएगा और भोजन कराया जाएगा। इसी कारण हम आपकी मुंडेर पर मेहमान बनकर आते है ।

आप लोगों ने बड़ी-बड़ी इमारते खड़ी कर दी है, अब मुंडेर बची कहाँ है। आपको भी आपकी आने वाली पीढ़ी आपकी इस गलती के लिए कोसेगी। हमारा क्या हम तो मीलों बिना थके उड़कर इधर -उधर जा सकते है और जहां घने पेड़ मिलेंगे अपना घरोंदा बना लेंगे। पर आप लोग पक्षियों के साथ जो अन्याय कर रहे हो , उनके ठिकानों को खत्म कर अपने घर बना रहे हो उसकी सजा तुम्हे कौन देगा ? यह कहते हुए कौवा काँव -काँव करते हुए उड़ गया।

यशवंत गोरे
37 ,निखिल बंगलो ,
कुंजन नगर ,
नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रोड़ ,
भोपाल
9425492928

क्या वे इंसान नही

सलोनी ने अपने पति रोहित को सुबह जगाते हुए कहा उठो ना बाबा कितनी देर तक सोते रहोगे? रोहित ने कहा हा उठता हु। फिर सलोनी ने रोहित को जगाते हुए कहा घड़ी मे जरा समय देखो, 8बज चुके है। नींद से जागते हुए रोहित ने चौकते हुए क्या 8 बज गए है! वो बिस्तर छोड़ बाथरुम की और भागा, क्योंकि उस आज विशेष पुजा करने के लिए जल्दी मंदिर जाना था। वह तैयार होकर मंदिर के लिए निकल ही रहा था कि सलोनी ने कहा सुनो आप मंदिर जा रहे होना, हा जा रहा हु।

अरे रुको यह लो और सलोनी ने रोहित के हाथो मे मिठाई के दो डिब्बे थमाते हुए कहा ध्यान रखना यह वाला लाल डिब्बा मंदिर मे भगवान को चढ़ना और यह पीला वाला डिब्बा रास्ते मे जो एक झुग्गी-झोपड़ी है वहा दे देना। रोहित ने सलोनी से पुछा यह अलग- अलग रंग के डिब्बे क्यो? सलोनी ने कहा अरे बाबा तुम भी ना इतने सवाल करते हो। इस लाल वाले डिब्बे मे ताजी व मंहगी मिठाई है, और इस पीले डिब्बे मे गोद भराई का घेवर है जो मौसीजी के यहा से आया था, बहुत दिन हो गए खाने लायक नही है। सलोनी की यह बात सुनकर रोहित ने कहा ठीक है। मंदिर की और जाते- जाते उसके मन मे विचार आया की जो चीज हमारे खाने लायक नही वो दुसरो के खाने लायक कैसे हो सकती है? आखिर झुग्गी- झोपड़ी वाले भी तो हमारी तरह ही इंसान है। उसने अपने बदलते भावो से झोपड़ी परिवार को वह पीला डिब्बा न देते हुए लाला डिब्बा दिया और मंदिर की और चल दिया । अब उसके मन मे एक अलग सा ही सुकून था व चेहरे पर मुस्कान थी। रास्ते मे से उसने मंदिर के लिए दुसरी मिठाई और खराब मिठाई को वही कुडेदान मे डाल दी।

आशीष सकलेचा नटखट
जावरा

कहानी

सोचों फिर बोलो

दशहरा मैदान में जैसे ही भगवान राम ने रावण के पुतले मे आग लगाई। हजारों की भीड़ जयकारा करती हुई अपने अपने घरों की और लौटने लगी। मैं भी सोना पत्ती खरीदकर घर आ गया श्रीमती जी ने स्वागत किया और भगवान के श्रीचरणों में सोना पत्ती चढ़ाई। श्रीमती जी ने दशहरे की शुभकामना देते हुए मेरे चरण स्पर्श किए, मैंने कहा खुश रहो तभी अचानक मुंह से निकला कि ओर खुश रहने दो,बस इतना बोलना था कि बवाल मच गया। मैंने लाख सफाई दी कि मैंने गलती से बोला पर सब बेअसर रहा। मैं यह भी भूल गया कि दूसरे दिन यानी रविवार को ही श्रीमती जी का जन्मदिन भी है फिर क्या हुआ दोनों तरफ से बातचीत बंद इस ऊहापोह में में श्रीमती जी को जन्मदिन की शुभकामना भी नहीं दे सका और सुबह-शाम का खाना भी चुपचाप खाना पड़ा और तो और न तो उसे कुछ गिफ्ट दिला सका व उसे कहीं बाहर भी घुमाने नहीं ले जा सका। एक छोटी सी बात पर वह जो नाराज हुई कि उसका जन्मदिन और दशहरा पर्व पर पानी फिर गया। अब तो भैय्या कान पकड़ लिये कि कुछ भी बोलने से पहले दस बार सोचो। इसी बोल बच्चन के कारण महाभारत का संग्राम छिड गया था।

प्रेमनारायण वेद
इंदौर

कहानी

सुकून

सुनो तुम्हें सुनाती हूं एक उलझी सी लड़की की अनसुलझी कहानी, आम तौर पर मिडिल क्लास परिवारों की कहानियां वैसी ही दिखती है जैसे उसे सामने वाले देखना चाहते है, मेरी कहानी भी बिल्कुल ऐसी ही, घर की दो बेटियों के बाद में तीसरी थी, मेरा वजूद इसलिए कायम हुआ के, अब जो होगा लड़का होगा, पर ऐसा नहीं हुआ, मैंने सबकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया मां के प्रसव से पहले ही जश्न की तैयारी हो चुकी थी अब जो होगा दो लड़कियों के बाद कोई कुल की आश , आने वाली है, हुआ ये के मैंने जन्म लिया, और जश्न की तैयारियों पर मिट्टी डाल दी, मां बहुत रोई, दादी मां ने भगवान को कोसा , बुआ ने भगवान से सारे रिश्ते तोड़ दिए,?? पर मैं क्या करती?हर ओलाद के हिस्से में मां की मोहब्बत आती हैं पर मेरे हिस्से में मोहब्बत से ज्यादा कुछ और आया, वक्त बीतता गया और आज मैं उन्नीस साल सात महीने की हो चुकी हूं, मुझे बहुत शिकायतें है खुद से भी ओर खुदा से भी, काश मैं लड़का होती, बिल्कुल इस बात का दुःख नहीं के मैं लड़का नहीं हूं, दुःख इस बात का है की सबके हिस्से में मां की मोहब्बत क्यूं नहीं आती, एक ही दीवार में रहने वाले औलादों में इतना फर्क क्यूं होता है, एक के हिस्से में मां की गोद आती है ओर एक के हिस्से में भीगी पलकें, मां के साथ रह के मां को न पाना ठीक वैसे ही है जैसे समंदर के किनार बैठ कर पानी पीने को तरसना, मैं आज तक नहीं समझ पाई इतना फर्क क्यूं है मुझमें और उनमें, शायद कुछ जो मुझमें नहीं है, पर ये कौन बताए अधूरी छोड़ रही हूं मैं दास्तां तेरी, फिर किसी जन्म में कोई बेटी जन्म लेगी बेटे की जगह लिखेगी मां की दास्तां पूरी, पढ़ाई पूरी हो चुकी है, ख्वाइशों को मैंने जन्म नहीं लेने दिया, फ़िलहाल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हूं, किताबें साथ होती, यहां तक की मां भी , और मां की यादें भी साथ नहीं है मां इसीलिए तो यादें है इन सब के बीच ज़रूरी है मां का आशीर्वाद साथ होने, पर मेरे नसीब में वो नहीं है, बहुत सुना है और पढ़ा भी है मेहनत से सब मुकम्मल हो जाता है, पर कौन समझाए कमबख्त लिखने वालों को, जंग जीती जाती है शमसिरों से मां कैसे जितेंगे, कहां मिलेगा दुलार सुकून कहां मिलेगा खुश हैं पर उदास हैं, सब है पर मां नहीं मां की मनु मीणा

मोनिका मीणा मनु
भोड़की , झुंझुनू (राज)

मेरा चाँद

छत पर जल्दी आओ, चाँद कहीं छुप न जाए पूजा की थाली तो ले लूं, पता है आप भी व्रत हो, भूख लगी होगी आपको। अरे नहीं यार, मौसम खराब हैं। बारिश होने लगेगी तो बादलों में छिप जायेगा तुम्हारा चाँद। चलिए अब आप चाँद के सामने खड़े हो जाइए, मैं पूजा कर लेती हूं। ऐसे ही हमेशा खुश रहना। अब चलो नीचे, होटल से खाने का ऑर्डर दें रखा है, पार्सल आता ही होगा। क्यों, आपको चाँद देखकर पानी नहीं पीना है ? कौन कहता है, मेरा चाँद छत केवल छत से दिखता है, और खराब मौसम (समय) में साथ छोड़ बादलों में छुप जाता है? अरे पगली, मेरा चाँद तो हमेशा मेरे साथ रहता है और आज कुछ ज्यादा ही निखर रहा मेरा चाँद। हटिए, कुछ ज्यादा ही तारीफ करते हैं आप मेरी। अब शर्माओ मत चलो नीचे, खाने का पार्सल आ गया होगा। आज तो मुझे अपने चाँद के हाथों से खाना है।

अंकुर सिंह
हरदासीपुर, चंदवक
जौनपुर, उ. प्र. -222129.

सरस्वती को स्वजाति की देवी घोषित करने की कवायद

व्यंग्य

अरण्यरोदन

इस देश में सभी लोग अपने-अपने भगवानों को लेकर बैठ गए हैं और उन्हें अपनी जाति से जोड़कर उनकी जयंती और विशेष पर्व मना रहे हैं । ब्रह्मा, विष्णु ,महेश, कृष्ण, बलराम, विश्वकर्मा, परशुराम, विश्वामित्र,वाल्मीकि आदि सभी का जातिकरण हो चुका है । कुछ समाजों ने अलग-अलग महापुरुषों को अपने आराध्य या आदर्श के रूप में पकड़ रखा है और बड़े जोर शोर से उनकी जयंती आदि का महोत्सव मनाते हैं। बड़े-बड़े संचलन निकलते हैं ।जुलूस होते हैं। सभाएं होती हैं और अपने जाति-समाज के माध्यम से अपनी जनसंख्या की शक्ति का या यूँ कहिए कि वोटो की शक्ति का प्रदर्शन करते हैं। मुझे यह समझ में नहीं आ रहा था कि मैं किस भगवान या महापुरुष को लेकर बैठूँ ? साहित्य और संस्कृति के जानकार एक महानूभाव से जब यह प्रश्न किया तो उन्होंने तत्काल प्रत्युत्तर दिया और बोले-अरे यार! तुम तो संगीत के खानदान से हो।गाना बजाना तुम्हारे पुरखों का पेशा रहा है।कहते हैं कि तुम्हारे समाज में तो बच्चा पैदा होते ही राग में रोता है। तुम तो सरस्वती पुत्र हो इसलिए सरस्वती ही तुम्हारी आराध्य होना चाहिए और तुम्हें अपनी जाति-विशेष की पहचान के लिए मां सरस्वती को ही अपनी देवी के स्वरुप में प्रतिष्ठित करना चाहिए। यह बात तो ठीक है कि हम सरस्वती के उपासक हैं, उसी की आराधना करते हैं परंतु अभी तक हमने उसे हमारी जाति से नहीं जोड़ा है7--मैने जवाब दिया। यह सुनते ही साहित्यमनीषी तनिक व्यंग्यात्मक मुद्रा लिए बोले- फिर तो बहुत गलत बात है। जिसकी कृपा से आप लोग खाते हो, जीवन जीते हो, जीवन भर जिन वाद्ययंत्रों के माध्यम से कमाते हो, उसी की अधिष्ठात्री देवी को तुमने अभी तक अपनी जाति देवी घोषित नहीं किया! मैने कहा-ऐसा नहीं है पर हमें यह डर है कि यदि मां सरस्वती को स्वजाति की घोषित कर दिया गया तो इसके बाद लगभग हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी जाति का हो, जो मां सरस्वती की वंदना करता है, उसको नमन करता है वह उसे जाति-विशेष का समझ लेगा और मुझे यह भी डर है कि मां सरस्वती को केवल गाने-बजाने वालों की देवी मान लिया जाए।

नहीं-नहीं,ऐसा कुछ नहीं है। और अगर है भी तो इसमें कुछ नुकसान है क्या ? इसमें मुझे तो कोई नुकसान नहीं है।लेकिन आप ही बताइए की संस्कृति, संगीत, साहित्य के विद्वानों को ही यह स्वीकार होगा कि मां सरस्वती पर किसी तरह का लेबल लगे और वह किसी जाति-विशेष की होकर रह जाए ? नहीं !नहीं ! !तुम्हारा संदेह व्यर्थ है।ऐसा कुछ नहीं होगा क्योंकि सभी लोगों ने अपने-अपने महापुरुष और भगवान पहले से ही पकड़ कर रखे हैं। अब वह उन्हें छोड़ कर के सरस्वती को पकड़ने वाले नहीं है। वैसे भी इनमें से ज्यादातर लक्ष्मी के उपासक हैं।वे सरस्वती को तब तक ही पूछते हैं जब तक किसी कार्यक्रम में होते हैं और कार्यक्रम की शुरुआत हो रही होती है ।उसके पश्चात बचे हुए सारे समय में वे सब केवल लक्ष्मी- लक्ष्मी ही करते रहते हैं- वे हँसते हुए बोले। परंतु आप भी तो सरस्वती के ही साधक हैं । साहित्य से जुड़े हुए हैं और मैंने सुना है कि जो साहित्य से जुड़ा होता है, उसमें भी सरस्वती का वास होता है।तो आपने अब तक मां सरस्वती को अपनी देवी के रूप में प्रतिष्ठित क्यों नहीं किया? ....तो वे बोले--यार ऐसी बात नहीं है।वस्तुत- मैं जिस जाति से आता हूँ उसने वर्षों पहले ही अमूक भगवान को अपने देवता के रूप में स्थापित कर लिया था और अब हमारी जाति उन्हीं देवता से जानी जाती है ।आप भले ही कहे कि बतौर साहित्यकार मैं सरस्वती का उपासक हूँ, साधक हूँ।परंतु मैं चाहकर के भी उन्हें अपने जाति के प्रतीक के तौर पर नहीं ला सकता क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि जब आप संगीत,साहित्य पठन-पाठन-लेखन आदि से जुड़े होने के बावजूद मां सरस्वती को स्वजाति के रूप में प्रतीक के तौर पर आगे नहीं रख सकते तो फिर मैं क्यों करूं ? देखिए! मेरी जाति का संगठन इतना तगड़ा नहीं है कि सरस्वती जी को स्वजाति की घोषित करने की हिम्मत कर सके।लोग अपना पेट पालने की खातिर गाने-बजाने में ही इतने व्यस्त रहते हैं कि पेट की साधना ही सरस्वती की साधना हो जाती है। जब सांसो से ही सरस्वती बहती है। वह स्वयं मुख पर हाथ पर आकर स्वयं को प्रकट करती है तो फिर उसे अपनी जाति से जोड़ करके प्रतिष्ठित करने की क्या आवश्यकता है? हमारा ध्यान से 24 घंटे उसी में रहता है। वह हमारे केन्द्र में है पर लक्ष्मी जी हमसे दूर है । और शायद यही कारण है कि आप भी सरस्वती को उद्घाटन तक ही सीमित रखना चाहते हैं वरना लक्ष्मी जी नाराज है ना ?और लक्ष्मी नाराज की सभी नाराज। यह सुनते ही सरस्वती के वे नकली साधक हींड्डड्ड हींड्डड्ड हीं करते हुए खिसै निपौरते हुए निकल लिए।

कारुलाल जमडा कारुण्य

जी पी ओ पोस्ट आफिस में इन्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैक लोन मेले का शुभारंभ

इन्दौर । हीरालाल वर्मा डाक विभाग द्वारा .जीपीओ .में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स .बैंक के .माध्यम से .एक विशाल लोन मिले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सुश्री प्रीति अग्रवाल पोस्टर मास्टर जनरल के द्वारा किया गया। इस लोन मेले में आम जन बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर .पहले ही दिन50से अधिक लोगों ने .रुचि दिखाई .वही दो ग्राहकों को .त्वरित .बाइक लोन .एवं पर्सनल लोन .की स्वीकृति .का पत्र प्रदान किया गया ।

श्रीमती .अग्रवाल ने बताया कि .डाक विभाग अपने .इंडिया पोस्ट पेमेंट्स . के द्वारा .सभी ग्राहकों .एवं जनमानस .के लिए .विभिन्न प्रकार के लोन .जैसे .बाइक .एवं स्कूटर लोन कार लोन गोल्ड लोन पर्सनल लोन तथा .होम लोन शामिल है । होम लोन में इंदौर परिक्षेत्र की अधिकृत ..कॉलोनी अनाधिक .गांव के जमीन पट्टे पर .एवं कृषि भूमि पर .भी होम लोन .की सुविधा है। ऐसे जनमानस के लिए विभिन्न प्रकार की .सहूलियत का ध्यान खास रखा गया है ।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक भारतीय डाकघर द्वारा और देश का एक .ग्रामीण बैंक है .जो 10 करोड़ से अधिक .ग्राहकों की सेवा प्रदान कर रहा है। इसी क्रम में अब लोन संबंधी सेवाओं और समाधान हेतु डाक विभाग की एक नई पहल की शुरुआत हुई है। गौरतलब है कि डाक विभाग का मकड़जाल पूरे देश के शहर कस्बो सहित .दूर दराज गांव .में काम करता आ रहा है। इसी के तहत डाक विभाग द्वारा अल्प बचत। की योजनाएं चलाकर छोटी बचत की योजनाएं चलाकर बचत का माध्यम भी कर रहा है अतः डाक विभाग देश का ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा विभाग है एवं इसकी एक पहचान है।

सामाजिक संवेदनशीलता के अनूठे रचनाकार अदम गोंडवी

इंदौर । अदम गोंडवी के नाम से विख्यात रामनाथ सिंह ने अपनी रचनाओं में हाशिए की जातियों, दलितों, गरीबों की दुर्दशा को उजागर किया। उनकी कविता सामाजिक संवेदनशीलता के लिए जानी जाती है।

यह बात श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति के शोध मंत्री डा पुष्येन्द्र दुबे ने कालजयी साहित्यकार श्रंखला में अदम गोंडवी का स्मरण करते हुए कही। डा दुबे ने कहा कि प्राइमरी तक शिक्षा प्राप्त और जीवनभर खेती किसानी में लगे रहे अदम गोंडवी ने जो भी लिखा वह जनता की जबान पर चढ गया। उनकी रचनाएं नारों में तब्दील हो गयीं। वरिष्ठ साहित्यकार अरविंद जोशी ने कहा कि अदम गोंडवी गांव की भाषा में अपनी बात रखते थे।

कवि सम्मेलनों में उन्हें खूब सराहा गया। गोष्ठी में उपस्थित परीक्षा मंत्री उमेश पारेख, भरत उपाध्याय, राजेन्द्र पांडे तपन, विजय खंडेलवाल, डा सुनीता फडनीस ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर छोटेलाल भारती, कमलेश पांडे, प्रकाश जैन, के.एल.जोशी, विजय सहित अनेक श्रोता उपस्थित थे। संचालन डा पुष्येन्द्र दुबे ने किया। आभार प्रबंध मंत्री घनश्याम यादव ने माना।

इंदौर संभाग में स्थित सभी सेंचुरी में इको सेंसेटिव जोन का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए

इंदौर। वन एवं सहकारिता विभाग के एसीएस श्री अशोक वर्णवाल ने आज इंदौर संभाग के राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह, धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, अलीराजपुर कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर, बड़वानी कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग, खरगोन कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, खंडवा कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, बुरहानपुर कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल, उपायुक्त श्रीमती सपना लोवंशी, झाबुआ जिला पंचायत सीईओ श्री जितेंद्र सिंह चौहान सहित संभाग के समस्त राजस्व अधिकारी गण उपस्थित थे।

बैठक में एसीएस श्री अशोक वर्णवाल ने निर्देश दिए कि रिज़र्व फॉरेस्ट के फाइनल नोटिफिकेशन के ब्लॉकवार आर्डर जारी किए जाये। इस कार्य के लिए संबंधित डीएफओ और एसडीएम आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने वन भूमि सीमा विवाद के निराकरण संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इंदौर संभाग में स्थित सेंचुरी में इको सेंसेटिव जोन का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए तथा राजस्व नक्शे पर संबंधित इको सेंसेटिव ज़ोन की जानकारी दर्ज करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने वन अधिकार पट्टे प्राप्त हितग्राहियों को पीएम किसान सम्मान निधि एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना के लाभ से जोड़ने संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) जिनके माध्यम से दुग्ध उत्पादन, मछली पालन सहित अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही है। ऐसी सभी समितियों की मैपिंग की जाए। उन्होंने पंचायत स्तर पर इन समितियों के चिन्हांकन की कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की समितियां द्वारा विभिन्न गतिविधियों के लिए मांगी गई अनुमतियों को प्राथमिकता से प्रदान करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर को शत-प्रतिशत पैक्स से जोड़ने के निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसी गृह निर्माण सहकारी संस्थाएं जो कार्यशील नहीं है उनके परिसमापनाधीन की कार्रवाई की जाए। सहकारी बैंकों को टर्म ऋण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के अंतर्गत स्प्रिंकलर तकनीक से सिंचाई कार्यों को गति देने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश भी दिए।

विशेष जुपिटर हॉस्पिटल में मेटल-लेस एंजियोप्लास्टी से सफलतापूर्वक किया गया इन-स्टेंट रेस्टेनोसिस का उपचार

इंदौर। विशेष जुपिटर हॉस्पिटल, इंदौर के सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शैलेंद्र त्रिवेदी ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जिसमें उन्होंने मेटल-लेस एंजियोप्लास्टी की नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए एक जटिल कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) मामले का सफलतापूर्वक उपचार किया।

44 वर्षीय श्रीमती वर्मा (नाम बदल दिया गया), जिन्हें अक्टूबर 2024 में एंजियोप्लास्टी के तहत मेटलिक स्टेंट लगाया गया था, उन्हें जून 2024 में गंभीर सीने में दर्द के साथ हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। जांच के दौरान उनके दाहिने कोरोनरी आर्टरी में इन-स्टेंट रेस्टेनोसिस (आईएसआर) का पता चला, जिसमें पहले से लगाए गए मेटलिक स्टेंट के भीतर आर्टरी में फिर से रुकावट आ गई थी।

नवीनतम तकनीक का उपयोग

इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में, डॉ. शैलेंद्र त्रिवेदी और उनकी टीम ने मेटल-लेस एंजियोप्लास्टी, जिसे ड्रग-कोटेड बैलून (डीसीबी) तकनीक भी कहा जाता है, का उपयोग करते हुए श्रीमती वर्मा का इलाज किया।

यह उन्नत प्रक्रिया मेटल की दूसरी परत जोड़े बिना आर्टरी में दवाएं छोड़ती है, जिससे दोबारा रुकावट को रोका जा सकता है।

डॉ. त्रिवेदी ने कहा, ÷मेटल-लेस एंजियोप्लास्टी उन रोगियों के लिए एक उत्कृष्ट समाधान है, जिनके स्टेंट लगाए गए आर्टरी में फिर से रुकावट आ रही हो। यह तकनीक आर्टरी को अधिक प्राकृतिक रूप से काम करने की अनुमति देती है और भविष्य में जरूरत पड़ने पर एंजियोप्लास्टी या बायपास सर्जरी को आसान बनाती है।÷

तेजी से सुधार

उपचार के बाद, श्रीमती वर्मा को 48 घंटे तक आईसीयू में रखा गया, जहां उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी गई। उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और उन्हें स्थिर अवस्था में हॉस्पिटल से छुट्टी दी गई। आज, श्रीमती वर्मा बिना किसी अतिरिक्त स्टेंट की आवश्यकता के स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रही हैं।

15 अक्टूबर को पेंशनर्स ने धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा

उज्जैन। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने अशोक दुबे जिला अध्यक्ष एवं मंजुलता भाटी जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में पेंशनर्स ने 12 बजे से 2 बजे तक 2 घंटे का धरना प्रदर्शन प्रशासनिक संकुल कोठी रोड़ के बाहर यात्री प्रतिक्षालय पर किया।

तत्पश्चात मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन के नाम संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन कलेक्टर उज्जैन के प्रतिनिधि श्री उद्धव देराड़ी को सौंपा। आंदोलन में प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के साथ ही भारतीय मजदूर संघ, वन पेंशनर समिति, विधुत पेंशनर्स एसोसिएशन सहित अन्य पेंशनर्स संगठनों ने भाग लिया।

आज के आंदोलन में शमशेर सिंह तोमर, देवेन्द्र व्यास, सतीश मिश्रा, कैलाश पाठक, चंद्रशेखर जोशी, दिनेश क्षीरसागर,आर. के.चेलावत, राणा प्रताप सिंह तोमर, नंदकिशोर श्रीवास्तव, आनंदी मौर्य, शोभा पाठक, विनीता व्यास, प्यारेलाल पालीवाल, मोहम्मदअली खान, सुशीला साठे, आशा शिखरे, बी.एस. साठे, नारायण वैध, सुरेश कुमार भारद्वाज, महेश पंडित, नरेन्द्र कुमार शर्मा, रमेशचंद्र त्रिपाठी, श्रीकांत जोशी, अनिल बोडके, कन्हैयालाल रायकवार, रामप्रसाद यादव, ओमप्रकाश खंडेलवाल, रविशंकर आर्य, कृष्णकांत जोशी, महेश उपाध्याय, संदीप व्यास, नरेन्द्र पाठक, अरूणेश्वरी गौतम आदि उपस्थित रहे।आभार प्रदर्शन कोमल भुतड़ा ने किया। यह जानकारी डॉ स्वामीनाथ पांडेय मिडिया प्रभारी द्वारा दी गई।

स्तन कैंसर जागरूकता शिविर के प्रथम दिवस 152 महिलाओं का हुआ परीक्षण

इंदौर। महिलाओं में स्तन कैंसर की गंभीरता को देखते हुए इंदौर के शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय आयुष विभाग द्वारा ÷स्तन कैंसर जागरूकता एवं शीघ्र निदान÷ निःशुल्क प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम मुंबई ओको केयर एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से निःशुल्क आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. जनक पलटा मगिलिगन द्वारा किया गया एवं कैम्प में उपस्थित महिलाओं को स्तन कैंसर के बारे में जानकारी दी। आयोजित कैम्प के प्रथम दिवस 15 अक्टूबर को सुबह 10 से 2 बजे के अंतराल 152 महिलाओं का स्तन परीक्षण किया गया। आयुर्वेद कैंसर यूनिट के संचालक डॉ. अखलेश भार्गव ने बताया कि कैम्प में महिलाओं को सिलिकॉन ब्रेस्ट मॉडल पर ब्रेस्ट सेल्फ एजामिनेशन की जानकारी, महिलाओं का परीक्षण, महिलाओं की जानकारी फॉर्म में भरकर उनको नारायणी सर्वे कार्ड उपलब्ध करवाये गए, निःशुल्क दवाइयों का वितरण एवं स्तन में कोई विकृति पाये जाने पर आयुष्मान कार्ड के माध्यम से भविष्य में कैंसर हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क मैमोग्राफी की व्यवस्था की जानकारी दी। कैम्प में महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अजीत पाल सिंह चौहान द्वारा की गई। कैम्प में डॉ. अखलेश भार्गव, मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट डॉ. कृष्णा चौधरी, सर्जिकल ऑकोलॉजिस्ट डॉ. सनी जैन, डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. ऐश्वर्या शर्मा, डॉ. करुणा अवगड द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. जनक पलटा मगिलिगन के द्वारा स्तन कैंसर जागरूकता ब्रौशर का विमोचन किया गया। कैम्प में अपनी सेवाएं देने वाले डॉक्टरों को सर्टिफिकेट एवं स्मृति

बेटमा में 20 अक्टूबर को निकलेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन

बेटमा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में प्रवेश को लेकर नगर में संघ का विराट पथ संचलन 20 अक्टूबर रविवार को सुबह 8:30 बजे शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय पूरा बाजार बेटमा से प्रारंभ होगा।

पथ संचलन को लेकर के विभिन्न तैयारी की जा रहे हैं नगर में संघ के कार्यकर्ता घर घर जाकर संपर्क के साथ ही विभिन्न माध्यमों से संपर्क कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयादशमी पर अपने शताब्दी वर्ष (100 वर्ष) में प्रवेश कर रहा है इसके लिए संघ कार्यकर्ता समाज में अपने पांच परिवर्तनों को लेकर के समाज में जाकर के लोगों से आग्रह कर रहे हैं जिसमें कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण जागरूकता, सामाजिक समरसता, नागरिक अनुशासन एवं स्वदेशी जागरण शामिल है।

बाग प्रिंट्स का रिटेल स्टोर संस्कृति इंदौर में आरंभ

इंदौर। इंदौर में हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्त्र पसंद करने वालों के लिए एक नया पड़ाव जुड़ गया है। प्रसिद्ध खत्री परिवार, जो तीन पीढ़ियों से बाग प्रिंट के निर्माण में जुड़ा हुआ है, ने इंदौर में अपना पहला रिटेल स्टोर %संस्कृति% खोला है। यह स्टोर बाग प्रिंट के साथ-साथ अन्य पारंपरिक वस्त्रों जैसे माहेश्वरी, चंदेरी और शिफॉन भी उपलब्ध कराएगा।

इस स्टोर की सबसे खास बात यह है कि यहां बाग प्रिंट की निर्माण इकाई से सीधे उत्पाद उपलब्ध होंगे। समय समय पर यहां बाग प्रिंटिंग का लाइव डेमो भी देखने को मिलेगा, जिससे लोग इस कला के बारे में और अधिक जान सकेंगे।

बाग प्रिंट के मास्टर कारीगर इदरिस खत्री ने कहा कि ÷बाग प्रिंट्स की पहचान पूरी दुनिया में है और लोग इन कपड़ों को बहुत पसंद करते हैं, बरसों से देश और दुनिया भर से इनके चाहने वाले इंदौर से करीब 140 किलोमीटर की दूरी तय करके आए हैं और इस स्टोर को खोलने के लिए बहुत मेहनत की।

रिटायर्ड असिस्टेंट डायरेक्टर, हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट प्रदीप पाटनी का कहना है कि, ÷हमने तीन साल पहले महालक्ष्मी नगर, इंदौर में परम्परागत परिधान का एक आउट्लेट %संस्कृति% शुरू किया था और वहाँ हस्तशिल्प पसंद करने वाले ग्राहकों से मिले रिस्पॉन्स से उत्साहित होकर हमने शहर के बीच एक रिटेल आउटलेट खोलने का यह प्रयास किया है, हम चाहते हैं कि इंदौर के लोग बाग प्रिंट जैसे पारंपरिक वस्त्रों से जुड़ें और इनका महत्व समझें।

बाग आकर खरीदी करते हैं।

संचालक दिनेश नागर ने कहा कि, हम इंदौर के लोगों के लिए पारंपरिक वस्त्रों को खरीदने का एक बेहतरीन विकल्प लेकर

आचार्य विद्या सागर की जयंती पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

इंदौर। श्रमण संस्कृति के समाधिष्ठ महामहिम आचार्य विद्या सागर महाराज की 79वीं जयंती श्रद्धा भक्ति समर्पण के साथ पुरे भारत में धूमधाम से बनाई जाएगी धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि उदय नगर दिगम्बर जैन मंदिर में 17/10/24 गुरुवार शरद पूर्णिमा को मनाई जाएगी।

प्रातः काल नित्य अभिषेक पूजन शांतिधारा पश्चात परम पूज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी संघ के मंगलमय सानिध्य में 64 रिद्धि महामंडल विधान पश्चात परम पुज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी की मंगल देशना पश्चात सुबह 10 बजे से विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं शाम को 108 दीपकों से आचार्य श्री महामंगल आरती एवं रात्रि 8 बजे से अखिल भारतीय महाकवि सम्मेलन को संचालित करेंगे

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल पर विभिन्न थीमों पर स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित

इंदौर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल पर 1 अक्टूबर से 15 अक्टूछबर तक स्व्च्छर भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा के रूप में मनाया गया। 'स्व्च्छपता में ईश्व र का वास होता है' इसी परिकल्पाना को साकार करने के लिए स्वछ्छल भारत अभियान के तहत रेलवे परिसरों में स्वच्छता को बनाए रखने के लिए पिछले कुछ वर्षो से स्वच्छता पखावाड़ा का अयोजन किया जा रहा है।

स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ स्वच्छता शपथ के साथ किया गया। इस पखवाड़ा के अलग-अलग दिन अलग-अलग अभियान के रूप में मनाया गया।

स्वरच्छ ता शपथ एवं स्वच्छ जागरुकता - 01 अक्टूबर को स्वच्छ जागरुकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस दिन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों एवं कॉन्ट्रैक्ट सफाई कर्मियों द्वारा स्वच्छता शपथ लिया गया। कर्मचारियों एवं उनके परिवार को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए जागरुकता अभियान चलाकर स्टेशनों एवं रेलवे कॉलोनियों में पोस्टर/बैनर से स्वच्छता पखवाड़ा के तहत लोगों को जागरुक किया गया।

श्रमदान - 02 अक्टूबर, 2024 को गांधी जयंती स्व।च्छ भारत दिवस के रूप में मनाया गया। इस बड़े स्तार पर स्वयच्छकता अभियान चलाया गया जिसमें मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया।

स्वच्छ स्टेशन - 03 एवं 04 अक्टूबर को स्वच्छ स्टेशन के रूप में मनाया गया

स्वच्छ रेलगाड़ी- 05 एवं 06 अक्टूरबर को स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस के रूप में मनाया गया ।

स्वच्छ ट्रैक - 07 अक्टू6बर को स्वच्छ ट्रैक दिवस के रूप में मनाया जाएगा

स्वच्छ कार्यालय/कॉलोनी परिसर - 08 अक्टू बर को स्वच्छ परिसर दिवस के रूप में मनाया ।

स्वच्छ आहार ङ्क 9 एवं 10 अक्टूबर को स्वच्छ आहार दिवस के रूप में मनाया गया।

स्वच्छ नीर- 11 अक्टूबर को स्वच्छ नीर दिवस के रूप में मनाया गया।

स्वच्छ प्रशाधन एवं पर्यावरण - 12 अक्टूछबर को स्वच्छ प्रसाधन एवं पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया गया।

स्वच्छ स्पसर्धा - 13 अक्टूबर को स्वच्छ स्पटर्धा दिवस के रूप में मनाया गया। मंडल स्तर पर सिंगल यूज प्लास्टिक/प्लास्टिक का उचित निस्तारण/प्लास्टिक वेस्ट के लिए जागरुकता विषय पर पेंटिंग एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नो प्लास्टिक डे- 14 अक्टूबर को नो प्लास्टिक डे के रूप में मनाया गया।

स्वच्छच्छस जागरुकता रैली - 15 अक्टूबर को रतलाम सहित अन्य स्टे शनों पर एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वचच्छप जागरुकता रैली का आयोजन किया गया ।

15 दिनों के इस पखवाड़ा में लगभग 1700 से अधिक कर्मचारी एवं अधिकारी स्वेच्छोता शपथ में शामिल हुए, 1600 से अधिक लोग 02 अक्टूबर को श्रमदान में भाग लिया। इस अभियान के दौरान 4.85 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र के बराबर सफाई की गई, एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत मंडल पर 46 पेड़ लगाये गये, लगभग 70 किमी दूरी के बराबर ड्रेन की सफाई करवाई गई, लगभग 50 टन से अधिक कचरे का निस्तारण किया गया जिसमें 3 टन से अधिक प्लासस्टिक कचरा भी शामिल है।

विद्युत कर्मचारी फेडरेशन इंदौर में दशहरा मिलन मनाया गया

इंदौर। दशहरा मिलन कार्यक्रम फेडरेशन पोलो ग्राउंड इंदौर कार्यालय में संपन्न हुआ। सभी साथियों द्वारा आपस में दशहरे की बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए उपस्थित सभी साथियों का फेडरेशन के झोनल सेक्रेट्री एन के यादव ने आभार व्यक्त किया।

दशहरा मिलन कार्यक्रम में झोनल सेक्रेट्री एन के यादव सहित मदन वर्मा, जेएल जोशी, सुशील मिश्रा, संजय सकरगाये, एनके जैन, सुरेन्द्र पटेल, भूषण अत्रे, यूएस राजपूत, पीसी गुप्ता, विरेन्द्र प्रताप मिश्रा, सतीश पुंडलिक, प्रदीप बाबर, एआर खरेडिया, जायसवाल व अन्य साथियों सहित शाजापुर के रीजनल सेक्रेट्री अबसार एहमद खान व उनकी पूरी टीम शामिल हुए।

संजय मालवी को जीवन गौरव सम्मान

इंदौर। अखिल हिंदी साहित्य सभा, पंजीकृत संस्था अमरावती महाराष्ट्र द्वारा भारत के कवियों की जीवन की एक संघर्ष गाथा प्रकाशित की गई है जिसका शीर्षक अरुणिमा दिया गया है। इस संघर्ष गाथा में देश के 61 कवियों का चयन कर जगह दी गई है।

इसका प्रकाशन साहित्यगार प्रकाशन जयपुर राजस्थान द्वारा किया गया है !अखिल हिंदी साहित्य सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोंगरे ने बताया कि इस गाथा पर हम पिछले 3 वर्षों से कार्य कर रहे थे ,तथा जिन्होंने वास्तव में अपने जीवन में संघर्ष कर समाज में अपनी जगह बनाई है ,समाज के लिए किसी भी माध्यम से सेवा की है ,उन्हें हमने पुस्तक अरुणिमा में जगह देकर सम्मानित किया है !इंदौर शाखा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष डॉक्टर बनवारी लाल जाजोदिया ने बताया कि, हमारे युवा साथी डॉक्टर संजय कुमार मालवी ने अपने जीवन में काफी संघर्ष कर समाज में अपनी जगह बनाई है !वह शिक्षाविद के साथ-साथ एक लेखक, साहित्यकार, समाजसेवी एवम फिल्म एक्टर भी है।

दृष्टिबाधित छात्रों द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन

इंदौर। समाज में दृष्टिबाधितों के प्रति जागरूकता बढ़ने हेतु अन्तराष्ट्रीय श्वेत छड़ी दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के दृष्टिबाधित छात्रों द्वारा किला मैदान पुनर्वासन केंद्र से लेकर बड़ा गणपति चौराहा तक तथा विद्यालय के छात्रो द्वारा हेलन केलर विद्यालय प्रकाश नगर से नवलखा चौराहे तक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य दृष्टिबाधितों को यातायात में आने वाली समस्याओ के प्रति से सामान्य जन को जागरूक करना तथा श्वेत छड़ी के प्रयोग से अवगत करना था।

रैली में संस्था के समस्त अधिकारी व् कर्मचारी गण उपस्थित रहे तथा थाना मल्हारगंज व् थाना संयोगितागंज का सहयोग भी दृष्टिबाधित छात्रों को प्राप्त हुआ।

सिका में जंगल दिवस का आयोजन

इंदौर। सिका स्कूल, स्किम नंबर 78 बाल-वाटिका ने छोटे बच्चों के लिए जंगल दिवस आयोजित किया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को जानवरों और उनके प्राकृतिक आवास के बारे में अधिक जानने में सक्षम बनाना था।

बच्चों को जानवरों, जानवरों की चाल, उनकी आवाज़ के बारे में अवगत कराना था । शिक्षकों ने उनके लिए मनोरंजक गतिविधियों की व्यवस्था की और उन्होंने खूब आनंद उठाया। प्रधानाध्यापिका स्वाति जैन ने बच्चों को जंगल के जानवरों और उनके बच्चों के बारे मे संपूर्ण जानकारी दी ।

दीपावली की तैयारी: बनेडिया के कुम्हारों के चाक पर दौड़ रहे हैं मिट्टी के दीये

देपालपुर/बनेडिया। जैसे-जैसे दीपावली का पर्व नजदीक आ रहा है, देपालपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में प्रजापत समाज के कुम्हारों के चाक तेजी से घूमने लगे हैं। मिट्टी के दीये बनाने का कार्य पूरे जोश के साथ शुरू हो गया है। इस बार समाजजनों को उम्मीद है कि उनकी मेहनत रंग लाएगी और बिक्री में इजाफा होगा। दरअसल, पिछले कुछ सालों से लोगों का रुझान चाइनीज दीयों और लाइट्स से हटकर देशी मिट्टी के दीयों की ओर बढ़ रहा है।

दीपावली से पहले चाकों पर तेजी

धनतेरस (29 अक्टूबर) और दीपावली (31 अक्टूबर) का पर्व करीब आते ही गांव और आसपास के दर्जनों प्रजापत परिवार अपने चाक पर जुट गए हैं। गोवर्धन पूजा (1 नवंबर) तक दीपावली की रौनक पूरे देश में छाई रहेगी और इन पांच दिनों में घर-घर में मिट्टी के दीये जलेंगे। बनेडिया के कुम्हार दिन-रात एक कर रहे हैं ताकि दीयों और लक्ष्मी की मूर्तियों की मांग को पूरा किया जा सके। उनके चाक अनवरत चलते रहते हैं, जैसे घड़ी की सेकंड की सूई कभी रुकती नहीं। गांव की गलियों में जिधर भी नज़र जाती है, वहां समाजजन मिट्टी के दीये और खिलौने बनाते नजर आते हैं। उनका विश्वास है कि इस बार उनकी मेहनत से बने दीये न केवल घरों को रोशन करेंगे, बल्कि उनके परिवारों में भी खुशियों की रोशनी लाएंगे। समाजजनों की दिनचर्या अब सुबह से लेकर रात तक सिर्फ दीये और देशी खिलौने बनाने में व्यस्त हो गई है।

हजारों दीयों का उत्पादन प्रतिदिन

गांव के प्रमुख कुम्हार रमेश भाई और मुकेश प्रजापत का कहना है कि इस बार देशी मिट्टी के दीयों की मांग अधिक होने की उम्मीद है। चाइनीज सामानों के बहिष्कार के चलते लोग स्वदेशी दीयों की तरफ लौट रहे हैं। रोज़ाना हजारों दीये बनाए जा रहे हैं, और इस बार उम्मीद है कि बिक्री में अच्छा इजाफा होगा। कई परिवार इस कार्य में जुटे हुए हैं, जो दीपावली के जरिए अपनी रोज़ी-रोटी का इंतजाम कर रहे हैं।

दीपावली का विशेष महत्व

प्रजापत समाज के वरिष्ठजन बताते हैं कि दीपावली उनके लिए विशेष मायने रखती है। आम दिनों में मिट्टी के सामान की बिक्री इतनी होती है कि लागत ही निकल पाती है, लेकिन दीपावली का त्योहार ऐसा है, जब मिट्टी से बने सामानों की अच्छी खासी बिक्री हो जाती है। गांव के एक नागरिक, विष्णु चौधरी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से लोगों ने चाइनीज दीयों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया है, और इस बार भी देशी दीयों का ही उपयोग किया जाएगा। दीपावली न केवल रोशनी का त्योहार है, बल्कि यह गांव के कुम्हार परिवारों के लिए उम्मीद की किरण भी लाती है। उनकी मेहनत से बने मिट्टी के दीये इस दीपावली हर घर को रोशन करेंगे, और साथ ही उनके अपने घरों में भी खुशहाली लाएंगे।

इंदौर से हावड़ा पुरी, जयपुर मुंबई दुरंतो, बीकानेर ट्रेनों को प्रतिदिन चलाने की मांग

इंदौर क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति ने पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ सदस्य जगमोहन वर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विन वैष्णव को पत्र लिखकर इंदौर से चलने वाली पूरी हावड़ा, बीकानेर एवं जयपुर ट्रेनों को प्रतिदिन चलाई जाने का आग्रह किया है।

वर्मा ने बताया कि इंदौर चलने वाली पुरी ट्रेन नंबर 20917-18 को प्रतिदिन चलाई जाने से इंदौर का सीधा संपर्क मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र ,छत्तीसगढ़ और उड़ीसा प्रदेशो से जुड़ेगा ।

ट्रेन नंबर 22911-12 इंदौर-हावड़ा शिप्रा एक्सप्रेस प्रतिदिन चलाई जाने की घोषणा तत्कालीन रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल ने हीरदारामनगर भोपाल में वर्ष 2018 मे कर चुके हैं

ट्रेन नंबर 19333-34 बीकानेर महामना एक्सप्रेस ट्रेन को प्रतिदिन चलाई जाने से इंदौर अजमेर रेल मार्ग के भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और अजमेर जाने वाले को सुगम सुविधा मिलेगी ।क्योंकि इस मार्ग पर 7 जोड़ी ट्रेन आवागमन करती थी ।

इस ट्रेन को रिंगस तक चलाए जाने से खाटू श्याम के भक्तों को सुविधा मिलेगी ।

ट्रेन नंबर 12227 -28 इंदौर मुंबई दुरंतो ट्रेन जो कि सप्ताह में दो दिन चलती है उसे 7 दिनों तक चलाया जावे तथा उसका एक स्टाप बोरीवली स्टेशन पर दिया किया जावे ।

ट्रेन नंबर 19337-38 इंदौर दिल्ली रोहिल्ला सराय ट्रेन एक दिन चलती है उसे सप्ताह में 3/4 दिन तक चलाएं जाने से हरियाणा के यात्रियों को सीधी सुविधा मिलेगी।

वर्षों से 12973-74 ट्रेन इंदौर जयपुर जो 2 दिन चलती है उसे प्रतिदिन किया जाने की मांग उठ रही है । इंदौर से चलने वाली पुरी हावड़ा,मुंबई दुरंतो, जयपुर बीकानेर ट्रेनों को प्रतिदिन चलाने के लिए कड़ा पत्र केंद्रीय रेल मंत्री रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे जीएम को लिखा है ।

भगवान महर्षि वाल्मीक जी का प्राग्टोत्सव धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा

इन्दौर। इन्दौर शहर वाल्मीक पंचायत के प्रवक्ता दीपक कुमार लोट ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रामायम महाकाव्य के रचियता, आदि कवि वाल्मीक समाज के धर्मगुरु भगवान महर्षि वाल्मीकी जी का प्राग्टोत्सव दिनांक 17/10/24, गुरुवार को वाल्मीक समाज के द्वारा धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया जायेगा ।

अध्योया में भगवान श्रीराम मंदिर के निर्माण होने के बाद से हिन्दूवादी संगठनों, सतातन धर्मावंलियों में खुशी और उत्साह अति चरम सीमा पर उत्साहित है। जिसके परिणाम इस वर्ष वाल्मीकी जी का प्राग्टोत्सव सम्पूर्ण भारतवर्ष में परंपरा अनुसार इस वर्ष भी अति उत्साह, उमंग और बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा।

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर पंढरीनाथ स्थित भगवान वाल्मीकी के मंदिर में वाल्मिकी जी प्रतिमा का प्रातः 10 बजे दुग्धाभिषेक कर माल्यार्पण कर नवीन पोषाक पहनाकर तथा पूजा-अर्चना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। इसी प्रकार शाम 7.00 बजे वाल्मीक की महाआरती करके खीर प्रसादी का वितरण भी किया जायेगा तथा शोभायात्रा भी निकाली जायेगी। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री लोट द्वारा समाजजनों से अपील की गयी है कि उक्त कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा समाजबंधु पधारकर उक्त कार्यक्रम को सफल बनाये।

सूर्यवंशी कुरील समाज संस्था को भंग कर रिसीवर बैठाने की मांग की

इन्दौर। सूर्यवंशी कुरील समाज संगठन (संघर्ष समिति) के प्रतिनिधि मंडल ने भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव और रजिस्ट्रार, फर्म्स एंड संस्थाएं मप्र को एक ज्ञापन सौंप सूर्यवंशी कुरील समाज की संस्था को भंग कर रिसीवर बैठाने की मांग समाजजन ने की है।

संघर्ष समिति सदस्यों के अनुसार संस्था को स्व. बाबू पिता वजीर शाह जागीरदार द्वारा रानीपुरा की जमीन दान दी गई थी, जिस पर संस्था की धर्मशाला और 23 दुकानें हैं। माणिकबाग में माता का मंदिर है। फिर भी संस्था ने आज तक समाज के लिए शिक्षा, चिकित्सा, विधवा सहायता, रोजगारमूलक प्रशिक्षण, समाज के गरीब तबके की मदद, छात्रवृत्ति आदि के कार्य नहीं किए हैं। इसलिए ऐसी संस्था को भंग कर रिसीवर नियुक्त किया जाना ही उचित है।

दशहरा मिलन समारोह

इंदौर। राष्ट्रीय जनता दल शहर इकाई अध्यक्ष चंदन सिंह मकवाना का दशहरा मिलन समारोह गुलावत में संपन्न हुआ इंदौर राष्ट्रीय जनता दल शहर इकाई अध्यक्ष का दशहरा मिलन समारोह गुलावत में संपन्न हुआ इसमें मुख्य रूप से मोहम्मद सिद्दीकी जी मुकेश चौधरी जी रामस्वरूप रामस्वरूप मंत्री जी सुषमा चौहान आदि उपस्थित थे।

1000 करोड़ की क्षतिपूर्ति याचिका में कोर्ट ने केनरा बैंक से उद्योगपति को डिफाल्टर और जमानतदार कहने का आधार पूछा

इन्दौर। जिला कोर्ट ने कैनरा बैंक को नोटिस जारी करते उद्योगपति को डिफाल्टर और जमानतदार कहने का आधार बताने के लिए अधिकारियों को 11 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा है। मामला उद्योगपति सुरेश शर्मा की याचिका का है जिसमें उन्होंने मानहानि का नोटिस दें बैंक से 1000 करोड़ की क्षतिपूर्ति मांगी है।

अगली सुनवाई पर अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों देना होगा जवाब

अपनी याचिका में उद्योगपति शर्मा ने कोर्ट को बताया कि बैंक की लापरवाही की वजह से उनकी औद्योगिक साख को नुकसान हुआ है। बैंक ने उनकी कंपनियों को बाम्बे स्टाक एक्सचेंज में डीलिस्ट करवाया जिसके कारण उन्हें साख खोने के साथ-साथ करोड़ों का नुकसान भी उठाना पड़ा। उद्योगपति सुरेश शर्मा के एडवोकेट आशीष गुप्ता के अनुसार शर्मा ने जिला न्यायालय में प्रस्तुत केस में कहा कि कैनरा बैंक जो कि पूर्व में सिंडिकेट बैंक थी, ने 14 वर्ष तक उन्हें जमानतदार, लोन गारंटर बताकर देशभर के अखबारों में उनके नाम से वसूली नोटिस छपवा उनकी औद्योगिक साख को बट्टा लगाया है। बैंक ने जिस कंपनी को ऋण दिया था, उसका शर्मा से कोई लेनादेना ही नहीं था। वकील के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने कैनरा बैंक को नोटिस जारी करते कहा कि वह बताए कि बगैर दस्तावेज किस आधार पर वह उद्योगपति को 14 वर्ष तक जमानतदार और डिफाल्टर बताती रही। मामले पर बता दें कि हाई कोर्ट के एक आदेश के बाद कैनरा बैंक ने शर्मा का नाम एक डिफाल्टर कंपनी के जमानतदार, लोन गारंटर के रूप मे लिखे होने को हटाते बैंक ने इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया था। इसके बाद ही शर्मा ने बैंक के खिलाफ एक करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत किया है। और उसी पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बैंक को नोटिस जारी किया है।

हाईवे निर्माण के लिए मिट्टी की जांच सबसे ज्यादा जरूरी है

जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन और हाईवे मटेरियल टेस्टिंग पर कार्यशाला का आयोजन

इंदौर। आईपीएस अकादमी, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फ्रजियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन और हाईवे मटेरियल टेस्टिंगफ्र पर दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम भारतीय भू-तकनीकी सोसाइटी (ढ्ढत्रस्), इंदौर लोकल चैप्टर और इंडेक्स लेबोरेटरी प्रा. लि. के सहयोग से संपन्न हुआ।

प्रिंसिपल डॉ.अर्चना कीर्ति चौधरी ने कहा किसी देश के विकास में सड़कों और राजमार्गों के साथ बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः इस कार्यक्रम के माध्यम से हम छात्रों के कौशल विकास में मदद करेंगे ताकि वे आगे चल कर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। सिविल विभाग के प्रमुख डॉ.अमित शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कई वर्षों से आईपीएस अकेडमी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

इस कार्यक्रम में मिट्टी के नमूने, परीक्षण और विश्लेषण के विभिन्न तरीकों, सड़क के डिज़ाइन और प्रदर्शन को प्रभावित करने वाली मिट्टी के गुणों का के बारे में बताया गया ।

आई आई टी इंदौर के डॉ प्रियांक सिंह ने जियोटेक्निकल इन्वेस्टिगेशन की नवीनतम तकनीकों पर प्रकाश डाला। तथा हाईवे मटेरियल टेस्टिंग की उन्नत विधियों पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि किसी भी हाईवे के निर्माण के पूर्व वहां की मिट्टी की जांच सबसे महत्वपूर्ण होती है इसी जांच से यह तय होता है कि बनने वाला स्ट्रक्चर किस तकनीक से बनाया जाएगा और कितने सालों तक वह टिक पाएगा ।

इस कार्यक्रम का आयोजन आईजीएस के आईपीएस अकेडमी स्थित स्टूडेंट चेप्टर ने इंडेक्स लेब के सहयोगसे किया । डॉ नसीम, सोनम यादव, पल्लवी गुप्ता और दिवाकर सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

पुर्व थाना प्रभारी, सीएमओ का शाल श्रीफल से सम्मान किया

सैलाना। नगर के प्रेस क्लब ने स्थानीय विश्रामगृह में रविवार को दशहरा मिलन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती व नगर के पुर्व प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय कैलाश नारायण त्रिवेदी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। नगर से स्थानांतरित होकर गए पूर्व थाना प्रभारी मोहम्मद अयूब खान तथा मुख्य नगर परिषद अधिकारी अनिल जोशी का शाल, श्रीफल से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन मे कहा की इन अधिकारियों ने सैलाना मे अपना अपना विभागीय दायित्व बखूबी सम्भाला इनका कार्यकाल सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पत्रकार विमल कटारिया ने थाना प्रभारी अय्यूब खान व मुख्य नगर परिषद अधिकारी अनिल जोशी के कार्यकाल व उनके कार्यो की प्रशंसा की। दोनो अधिकारी सम्मान पाकर भाव-विभोर हो गये। एसडीएम मनीष जैन ने पत्रकारो को आश्वस्त किया की पत्रकार भवन बनाने के लिए जो भी वाजिब सहयोग होगा किया जाएगा। एसडीओपी नीलम बघेल ने कहा सैलाना शांति प्रिय क्षैत्र है। यहा घर जैसा माहोल लगता है। इस दौरान पत्रकार नंदलाल बैरागी, मनोज भंडारी, क्रष्णा राठोर, कैलाश परिहार, संजय शर्मा, धर्मेंद्र मालवीय, बुरहान लुकमान, सुनिल परिहार, नितेश राठोड़, क्रष्णकांत मालवीय, पंकज रणावत, निखिल महेश्वरी सहित अन्य उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट कांतिलाल राठोड ने किया व आभार प्रेस क्लब के नवागत अध्यक्ष सुरेश मालवीय ने माना।

भाजपा का विशेष सदस्यता अभियान की बैठक संपन्न

सैलाना। नगर के ओशिन परिसर में सैलाना मंडल के भाजपा की विशेष सदस्यता अभियान की बैठक संपन्न हुई है। बैठक में सदस्यता अभियान के लोकसभा प्रभारी चंद्रशेखर झां, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, विधानसभा प्रभारी क्रांति जोशी, सब प्रभारी गोविंद डामर मंडल अध्यक्ष श्याम धाकड़ मंडल प्रभारी राकेश मिश्रा की उपस्थिति में संपन्न हुई।

कुबेश्वर महादेव मंदिर निर्माण कार्य का भूमि पूजन

रतलाम। ग्राम पंचायत भीलो खेड़ी (इंदिरा नगर) में कुबेश्वर महादेव

मंदिर का भूमि पूजन जिसमें ग्राम वासियों ने बड़ी संख्या के साथ पूजा अर्चना के साथ पंडित जितेन्द्र रावल के ने पूजा अर्चना करवाई अतिथि विधायक कमलेश्वर डोडियार जनपद अध्यक्ष श्री मती कैलाशी रामचंद्र चारेल ग्राम पंचायत सरपंच हेमंत डामोर ,जनप्रतिनिधि भंवर सिलावट नाथूलाल राठौर, मोनू शर्मा रवि भाई ग्राम पंचायत उप सरपंच श्रीमती राजू बाई राकेश निनामा ,एवं कुबेश्वर धाम समिति महिला मंडल पारी बाई सज्जन भाई , पवित्रा बाई एवं रितेश यादव दशरथ खींची प्रकाश चंद्र जादव अक्षय मालवीय एवं समस्त ग्रामवासी ने कुबेश्वर धाम निर्माण मंडल समिति द्वारा भूमि पूजन करवाया गया। विधायक डोडियार ने इस अवसर पर ग्रामीण जन से शिक्षा एवं नशा मुक्ति के लिए भी प्रेरित किया और कुबेश्वर धाम समिति से आग्रह किया जिस प्रकार यहां पड़ी सभी गन्दगी को हटाया इस प्रकार इसी प्रकार ऐक भव्य मंदिर निर्माण के लिए जो नींव राखी यह बहुत तारीफ लायक है। जनपद अध्यक्ष श्रीमती कैलाशी चारेल ने मंदिर निर्माण के लिए बहुत शुभकामनाएं दी।

महापौर प्रहलाद पटेल की अनूठी पहल

रतलाम। महापौर प्रहलाद पटेल ने नगरीय क्षेत्र रतलाम में संचालित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण देने हेतु विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का कार्य नगर निगम द्वारा करवाये जाने का निर्णय लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। महापौर प्रहलाद पटेल ने बताया कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को विद्यालय में स्वच्छ वातावरण प्रदान किये जाने हेतु विद्यालय परिसर व सुविधाघरों की साफ-सफाई का कार्य नगर निगम द्वारा करवाये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसके तहत वार्ड प्रभारी अपने अधीनस्थ सफाई मित्रों के माध्यम से विद्यालय परिसर व सुविधाघरों की प्रतिदिन साफ-सफाई का कार्य संपादित करेंगे। सफाई कार्य हेतु विद्यालय के प्राचार्य, हेड मास्टर के पास झोन प्रभारी व वार्ड प्रभारी के मोबाईल नम्बर उपलब्ध रहेंगे। विद्यालय की साफ-सफाई निगरानी मेरे स्वंय के द्वारा रखी जायेगी ताकि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना होकर विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो ओर वे स्वस्थ रहें।

पनवाड़ी विवाद में पुलिस कार्रवाई पर पक्षपात का आरोप

शाजापुर। सुनेरा थाना क्षेत्र के ग्राम पनवाड़ी में पाटीदार और बंजारा समाज के लोगों के बीच हुए विवाद के मामले में हुई पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

यही कारण है कि बड़ी संख्या में बंजारा समाज के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई में पक्षपात करने का आरोप लगाया। बंजारा समाज के लोगों ने बताया कि पनवाड़ी में पाटीदार समाज के लोगों ने बंजारा समाज के लोगों के साथ मारपीट की। घरों में घुसकर तोड़फोड़ करने के साथ ही दुकानों और वाहनों में पुलिस के सामने आग लगा दी, लेकिन बावजूद इसके पुलिस ने राजनीतिक दबाव के चलते पक्षपात कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई नही की। जबकि बंजारा समाज के लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर लिए गए। बंजारा समाज के लोग घटना में घायल हुए हैं, किंतु उनकी एफआईआर नही की जा रही है। पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

शाजापुर में चला रहे पश्चिम बंगाल का राज

बंजारा समाज के लोग बड़ी संख्या में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और आरोप लगाया कि शाजापुर में प्रशासन पश्चिम बंगाल की तरह का राज चला रहा है। यहां पुलिस महकमा एक सत्ताधारी नेता के पक्ष में बंजारा समाज के लोगों की सुनवाई नही कर रहा है। जबकि पुलिस के सामने पनवाड़ी में आरोपियों ने वाहनों और दुकानों को हवाले किया। वहीं बंजारा समाज के लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। बंजारा समाज की महिलाओं को देररात तक थाने में बैठाया गया और इसके बाद बिना उनकी सुनवाई किए लौटा दिया गया। हालांकि इस मामले में पुलिस अधीक्षक का कहना था कि दोनों पक्षों की तरफ से मुकदमें दर्ज हुए हैं। साथ ही पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामले में जांच कराकर उपद्रव करने वाले अन्य लोगों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। ज्ञापन में दोषियों पर कार्रवाई नही किए जाने पर भूख हड़ताल की चेतावनी दी गई है।

भारतीय रेलवे के बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रिटेन को हराकर जीत हासिल किया

रतलाम। भारतीय रेल बैडमिंटन टीम बनी वर्ल्ड रेलवे बैडमिंटन टीम चैंपियन जो अक्टूबर माह में 5 अक्टूबर तक चले यूरोप के पोलैंड में आयोजित 9वीं म्यूजिक बैडमिंटन चैंपियन 2024 में भारतीय रेलवे के बैडमिंटन ने फाइनल ग्रेड की यूरोप की टीम को हराकर खिताब जीता। इस चैंपियन में रेलवे की आठ टीमों ने भाग लिया था। भारतीय रेलवे की बैडमिंटन टीम के एंटरप्रेन्योर कम मैनेजर रतलाम रेल मंडल कार्यालय में मुख्य कार्यालय अधीक्षक और भारतीय रेल मंत्रालय में स्थित स्पोर्ट प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली के कोऑर्डिनेटर राम प्रजापति रहे। राम प्रजापति ने उनकी इस उपलब्धि का श्रेय रतलाम रेल मंडल के सभी श्रम संगठनों प्रजापति समाज बंधु और रतलाम शहर के सम्मानित नागरिकों को दिया। कई सामाजिक संस्थाओं और कार्यों से जुड़े राम प्रजापति की उपलब्धि पर सभी ने हर्ष जाहिर की। पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद के जोनल संगठन मंत्री शिव लहरी शर्मा ने बधाई देते हुए बताया कि यह उपलब्धि भारतीय रेल के पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल का गौरव की बात है।

रतलाम में लगा एसपी का दरबार

रतलाम। लंबे समय बाद रतलाम में आज एसपी का दरबार लगा। पुलिस कप्तान अमित कुमार ने पुलिस लाइन में दरबार लगाकर पुलिसकर्मी और अधिकारियों की समस्याएं सुनी। कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर आम जनमानस की समस्याओं की जनसुनवाई की जाती है, लेकिन कार्य में व्यस्तता के कारण पुलिसकर्मी अपनी समस्या उच्चाधिकारियों तक नहीं पहुंचा पाते हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों के वेलफेयर व उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एसपी अमित कुमार द्वारा आज प्रात: 8 बजे पुलिस लाईन रतलाम

में दरबार का आयोजन किया गया।

दरबार में एएसपी राकेश खाखा एवं जिले के समस्त अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित हुए। पुलिस अधीक्षक रतलाम द्वारा जिले के 250 अधिकारी-कर्मचारियों की विभाग से संबंधित व अन्य व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में चर्चा की गई। 22 अधिकारी, कर्मचारी जिसमें निरीक्षक मुनेन्द्र गौतम, निरीक्षक अय्युब खान, एएसआई ममता श्रीवास्तव, आर हिम्मत सिंह, प्रआर शिवपाल, आर राकेश निनामा, उनि इंद्रपाल सिंह, प्रआर पन्ना भूरिया, आर गजपाल सिंह, एएसआई मदनलाल सांखला, एएसआई शिवनाथ सिंह राठौर, आर संदिप शर्मा, उनि शरिफ खान, एएसआई एम एल भाटी, एएसआई अखिलेश सूर्यवंशी, एएसआई जे एस चंदेल, आर रामदयाल मीणा, प्रआर पी एल निनामा, एएसआई एम पवन राणावत, एएसआई एम जाकिर मंसुरी की समस्याओं का मौके पर ही निदान किया गया।

अनुभाग स्तर पर पुलिस में होगी खेल स्पर्धाएं, बनेगी टीम

आमतौर पर लंबी ड्यूटी के कारण पुलिस कर्मचारी व अधिकारी अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते है इस हेतु पुलिस अधीक्षक रतलाम द्वारा प्रत्येक अनुभाग में पुलिस अधिकारी,कर्मचारियों एवं नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों की क्रिकेट, कबड्डी, वालीवाल, फूटबाल आदि खेलो की टीम बनाई जाएगी। जिनका दुसरे अनुभाग की टीम से मुकाबला करवाया जाएगा। यह कदम पुलिस कर्मचारियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उठाया गया है ताकि पुलिस कर्मचारी शारीरिक व्यायाम करके स्वस्थ रहे सकें तथा स्वस्थ रहकर जनता की सेवा कर सकें।

देरी से पहुंचे पटवारी ने पुलिस की मौजूदगी में हटवाया सरकारी भूमि से अतिक्रमण

शाजापुर।

शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को पुलिस बल की मौजूदगी में हटाने की कार्रवाई की गई। शाजापुर के समीपस्थ ग्राम नैनावद में शासकीय भूमि पर वर्षों से किए गए अतिक्रमण को पुलिस की मौजूदगी में हटाया गया।

दरअसल गांव की कई बीघा सरकारी भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध ढंग से कब्जा किया हुआ था, जिसकी गांव के युवक आदित्य शर्मा के द्वारा निरंतर प्रशासन से शिकायत की जा रही थी। मामले में जांच के बाद भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर गिरधावर और पटवारी ने पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया और अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर पंचायत को कब्जा दिलाया गया। उक्त भूमि पर गोशाला बनाए जाने की योजना है।

पुलिस को कराया घंटों इंतजार

ग्राम नैनावद में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाने को लेकर आदित्य शर्मा ने प्रशासन को बारबार शिकायत की। वहीं मंगलवार को अतिक्रमण हटाने का फैसला लिया गया, लेकिन यहां अतिक्रमण हटाने से पहले पटवारी और गिरधावर ने पुलिस को घंटों इंतजार कराया। अतिक्रमण हटाने की सूचना पर पुलिसबल मौके पर जा पहुंचा था, लेकिन पटवारी नदारद थे जिसकी वजह से पुलिस को घंटों इंतजार करना पड़ा। ग्रामीणों के द्वारा बारबार फोन करने पर दोपहर करीब 2 बजे पटवारी मौके पर पहुंचे और इसके बाद अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई।

गंदा पानी घर में घुसने की शिकायत करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे रहवासी

शाजापुर। घरों में घुस रहे कच्ची नाली के गंदे पानी से परेशान रहवासी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और शिकायत की। मंगलवार को वार्ड क्रमांक 25 के रहवासी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और शिकायती आवेदन देकर बताया कि पूर्व में उनके क्षेत्र में मनमाने ढंग से ठेकेदार के द्वारा सडक़ का निर्माण किया गया था, जिसकी वजह से नाली का गंदा पानी घरों में घुस रहा है। वहीं वर्तमान में वार्ड के रामदयाल कालोनी में 4 रोड़ का निर्माण हुआ है, लेकिन ठेकेदार ने नाली नही बनाई है जो भारी असुविधा का सबब बन गई है। नाली नही होने से यहां भी गंदा पानी घरों में घुसने की समस्या है। रहवासियों का आरोप है कि उन्होने नगरपालिका सीएमओ मधु सक्सेना से कई बार शिकायत की है, किंतु वह सुनवाई करने को तैयार नही है। आवेदन में शीघ्र ही समस्या हल किए जाने की मांग की गई है।

उधना-कानपुर सेंट्रल तथा अहमदाबाद- ग्वालियर के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेने

रतलाम।

यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा दीपावली एवं छठ के दौरान ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव के साथ उधना-कानपुर सेंट्रल तथा अहमदाबाद-ग्वालियर के बीच स्पेशल फेयर पर त्यौहार स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा।

ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना-कानपुर स्पेशल- ट्रेन संख्या 09069 उधना-कानपुर स्पेशल 21 अक्टूबर, 2024 से 11 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक सोमवार को उधना से 05.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(13.05/13.15,सोमवार), नागदा (14.10/14.12), उज्जैन (15.15/15.25) एवं मक्सी (16.40/16.42) होते हुए अगले दिन 06.30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुँचेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09070 कानपुर सेंट्रल -उधना स्पेशल 22 अक्टूबर, 2024 से 12 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक मंगलवार को कानपुर सेंट्रल से 09.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के मक्सी (00.35/00.37, बुधवार), उज्जैन (01.15/01.25), नागदा(02.00/02.02) एवं रतलाम(03.00/03.10) होते हुए अगले दिन 10.00 बजे उधना पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, सोनी, भिंड और इटावा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09411/09412 अहमदाबाद- ग्वालियर सुपरफास्ट स्पेशल - ट्रेन संख्या 09411 अहमदाबाद- ग्वालियर सुपरफास्ट स्पेशल 19 अक्टूबर, 2024 से 02 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक शनिवार को अहमदाबाद से 20.25 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम (01.20/01.30,रविवार), नागदा (02.05/02.07), उज्जैन (03.00/03.10) एवं मक्सी (04.20/04.22) होते हुए रविवार को 13.00 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09412 ग्वालियर - अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल 20 अक्टूबर, 2024 से 03 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक रविवार को ग्वालियर से 16.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के मक्सी(23.50/23.52, रविवार), उज्जैन (00.40/00.45 सोमवार), नागदा (01.56/01.58) एवं रतलाम (02.30/02.40) होते हुए सोमवार को 09.05 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, गुना एवं शिवपुरी स्टेशनों पर रुकेगी इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09069 एवं 09411 की बुकिंग 16 अक्टूबर, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiræ÷y.indian-ræ÷ail.gàæv.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

छूकर मेरे मन को किया तुने क्या इशारा

मन्दसौर। नगर की सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच मंदसौर ने प्रसिद्ध पार्श्व गायक, अभिनेता व डायरेक्टर किशोर कुमार की 95 पुण्यतिथि पर सुरों की महफिल सजाकर उन्हें गीतांजलि दी। दशपुर रंगमंच के संस्थापक अभय मेहता ने बताया कि किशोर कुमार के गाए गीत आज भी लोकप्रिय हैं। उनकी आवाज में इतनी ताजगी और अदाकारी में इतनी कशिश थी कि जो आज भी संगीत प्रेमियों को अपनी ओर खींचती है। स्व. किशोर कुमार गायिकी के साथ साथ अभिनय के भी सरताज थे। वे म्यूजिक डायरेक्टर भी लाजवाब थे। हास्य कला में भी परिपूर्ण थे। कला के हर क्षेत्र में वे सम्राट थे। किशोर कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए सतीश सोनी ने उनका नगमा ''आते है चले जाते है जाने वाले कभी-कभी'' सुनाया। लोकेन्द्र पाण्डेय ने ''किसका रस्ता देखे ऐ दिल ऐ सौदाई'' गाया। अभय मेहता ने ''कोई हमदम ना रहा कोई सहारा ना रहा'' सुनाकर किशोर दा को याद किया। श्याम गुप्ता ने ''जब तक मैंने समझा जीवन क्या है'' सुनाकर जीवन का फलसफा बताया। राजा भैया ने प्रसिद्ध गीत ''पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी'' सुनाया। आबिद हुसैन ने ''जिन्दगी का सफर है ये कैसा सफर'' गीत को बखूबी प्रस्तुत किया। मीना जैन ने ''ओ हंसिनी मेरी हंसनी'' सुनाया। हिमांशु वर्मा ने ''चेहरा क्या है चांद खिला है'' पेश किया। मीनू व ललिता दीदी ''छूकर मेरे मन को किया तूने क्या इशारा'' सुनाकर सबके दिलों को छू लिया। डॉ. निलेश नगायच ने ''जिंदगी के सफर में गुजर जाते है'' गीत सुनाकर किशोर दा को श्रद्धासुमन अर्पित किये। संचालन अभय मेहता ने किया व आभार ललिता मेहता ने माना।

शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपी को 01 वर्ष का कारावास

मनासा। सुश्री शिवांगी सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय में शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपी भेरूलाल पिता भोना जी मालवीय, उम्र-52 वर्ष, निवासी-ग्राम महागढ़, तहसील मनासा, जिला नीमच को धारा 353 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01 वर्ष के कारावास व 100 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओ श्री विपिन मण्डलोई द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना दिनांक 31.03.2015 की हैं। मनासा तहसील के न्यायालय में विचाराधिन बजावरी प्रकरण जो कि फर्म गुलाबचंद छगनलाल जैन, मनासा विरूद्ध भेरूलाल मालवीय में माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरूद्ध वसुली का कुर्की वारण्ट जारी किया गया था। कुर्की वारण्ट के पालन में न्यायालय में आदेशिका वाहक के पद पर पदस्थ बहादुरसिंह चंदेल द्वारा घटना दिनांक को आरोपी के खेतकूंये पर जाकर कुर्की वारण्ट पर उल्लेखीत रकम को जमा किये जाने हेतु कहा गया, किन्तु आरोपी द्वारा रकम को जमा कराये जाने से इंकार किया गया। जब आदेशिका वाहक द्वारा कुर्की की कार्यवाही प्रारम्भ करना चाहा तो आरोपी पत्थर लेकर सामने खड़ा हो गया व आदेशिका वाहक के साथ धक्का-मुक्की कर शासकिय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई, जिस कारण आदेशिका वाहक को वहां से जाना पड़ा। घटना की रिपोर्ट पर से आरोपी के विरूद्ध धारा मनासा में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई एवं आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

डॉ. उषा अग्रवाल द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ वोल्वर हेम्पटन, लंदन में शोध-पत्र वाचन

मंदसौर। पी.एम. एक्सीलेंस कालेज राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि महाविद्यालय की इतिहास एवं पर्यटन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. उषा अग्रवाल ने लंदन की यूनिवर्सिटी ऑफ वोल्वर हेम्पटन में शोध पत्र का वाचन किया। आपने विषय विशेषज्ञ के रूप में पर्यटन के क्षेत्र में तकनीकी के महत्व को रेखांकित किया आपने रिस्पांसिबल ट्युरिज्म एवं सस्टेनेबल ट्युरिज्म विकसित करने के लिए सुझाव प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेशजी चंदवानी द्वारा महाविद्यालय का लंदन की यूनिवर्सिटी में प्रतिनिधित्व करने पर खुशी जाहिर की। साथ ही प्राचार्य एवं महाविद्यालय के परिवार द्वारा डॉ. उषा अग्रवाल को बधाई दी गई।

एक दिवसीय धार्मिक यात्रा सम्पन्न

मन्दसौर। सकल दिगम्बर जैन समाज मंदसौर के द्वारा एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के 100 सदस्यों ने नीमच में विराजित मुनिद्वय श्री 108 वैराग्य सागरजी एवं 108 सुप्रभसागरजी महाराज संघ की पावन निश्रा में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता की।

सोयाबीन उपार्जन हेतु गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण 16 अक्टूबर को होगा

मंदसौर। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि सोयाबीन उपार्जन की गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण 16 अक्टूबर 2024 को आयोजित होगा । प्रशिक्षण दोपहर 11.00 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित होगा।

पेंशनर संगठनों द्वारा मांगों का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

मंदसौर। प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय आव्हान पर, भारत पेंशन समाज एवं एम.पी.ई.बी. पेंशनर एसोसिएशन के आव्हान पर आज 15 अक्टूबर को प्रदेश के पेंशनरों की लंबित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर श्रीमती स्वाती तिवारी को संगठनों के जिलाध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा, सतीश नागर, अशोक कुमार शर्मा, रूपनारायण जोशी, राजेन्द्रसिंह चौधरी, अर्जुन झलोया, गोविन्दसिंह पंवार, राजेन्द्रसिंह चौहान, कलवंतसिंह कोठारी के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर मोतीसिंह राठौर, ऋषभ कोठारी, वल्लभ बघेरवाल, दिनेश आचार्य, भूपेन्द्र तिवारी, कैलाश उपाध्याय, सुरेश व्यास, अभय कुमार जैन आदि कई पेंशनरों ने प्रदर्शन एवं ज्ञापन देने में अपनी सहभागिता की।

ग्राम एवं स्कूलों में विद्यार्थियों को स्वच्छता के बारे में जानकारी दी

मंदसौर । मध्य प्रदेश जल निगमपरियोजना क्रियान्वयन इकाई मंदसौर के द्वारा गांधी सागर 1 समूह जल प्रदाय योजना में सम्मिलित विभिन्न ग्रामों में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति सदस्यों एवं विद्यालयीन छात्र छात्राओं को बीमारियों और संक्रमणों के प्रसार को रोकने में साबुन से हाथ धुलाई के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। साबुन से हाथ धोने के विभिन्न चरणों का प्रदर्शन कर सामूहिक हाथ धुलाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संभाग बनाओं अभियान : 14 वें दिन पोस्ट-कार्ड अभियान में चार संगठन हुए शामिल

मंदसौर। संभाग के लिए जितनी अनुकूलता है होनी चाहिए वे सभी मंदसौर जिला मुख्यालय पर विद्यमान है मंदसौर को संभाग बनाना न केवल मंदसौर के साथ न्याय है वरन भौगोलिक दृष्टि से भी जनता की सुविधा के लिए ऐसा करना बहुत आवश्यक है। मंदसौर नागरिक मंच द्वारा चलाए जा रहे संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधी चौराहा पर प्रतिदिन चल रहे पोस्टकार्ड अभियान के 14 दिन शिक्षाविद और विद्वान वक्ता डॉ. रवींद्र कुमार सोहनी ने ये विचार व्यक्त किए। आपने कहा कि मंदसौर वासियों की इस मांग पर मध्य प्रदेश शासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए और तत्काल मंदसौर को संभाग बनाने की घोषणा की जानी चाहिए। सिंधी समाज के प्रमुख समाजसेवी नंदू भाई आडवाणी ने पोस्टकार्ड अभियान में सम्मिलित होते हुए कहा कि यह बड़ी ही प्रसन्नता की बात है कि संभाग बनाने के लिए मंदसौर नागरिक मंच द्वारा किए जा रहे आंदोलन को नगर के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है।

शिक्षाविद रमेशचंद्र चंद्रे ने कहा कि मंदसौर यदि संभाग मुख्यालय बनता है तो इसका लाभ नीमच मंदसौर जिलों के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र को अधिक मिलेगा । समाजसेवी बालूसिंह सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर संभाग बनेगा तो अवरुद्ध विकास फिर गति पकड़ेगा। वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम तंवर ने कहा कि यह मंदसौर के अस्मिता का संघर्ष है जब तक मांग पूरी नहीं होगी नगर

वासियों का यह संघर्ष जारी रहेगा। मंदसौर नागरिक मंच कोर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य गुरु चरण बग्गा ने कहा कि जल्द ही मंदसौर को संभाग बनाने के इस आंदोलन को मंदसौर नीमच जिलों के तहसील मुख्यालय और कस्बाई क्षेत्रों में भी सक्रिय किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता नटवर भाई पारिख ने कहा कि मंदसौर वासियों को भले ही हर सौगात के लिए संघर्ष करना पड़ा हो लेकिन हमारा संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं गया है यह संघर्ष भी अवश्य ही सफल होगा। पोस्टकार्ड अभियान के 14 वें दिन नगर के संगठनों में दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन, अभा राजेंद्र जैन महिला परिषद,जैन सोशल ग्रुप डायमंड सँगिनी ओर जूनियर एनसीसी कंपनी के पदाधिकारी और सदस्यों ने भाग लिया।

दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि मंदसौर यदि संभाग बनता है तो प्रत्येक वर्ग को इसका लाभ मिलेगा हम सभी को आगे आकर इस अभियान में भाग लेना चाहिए और मंदसौर को संभाग बनाने के संघर्ष में शामिल होना चाहिए। अभियान में दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन के सर्वश्री ललित काबरा,भेरूलाल सिसोदिया,लक्ष्मीनारायण गोयल,चंद्रेश बाफना,नितिन गर्ग यशवंत सिंह जैन अभयकुमार नाहर और मोहन कुमावत भी शामिल थे। अ.भा.राजेंद्र जैन महिला परिषद और जैन सोशल ग्रुप डायमंड सँगिनी के सदस्याएं ललिता कर्णावट, साक्षी संदीप जैन, सुनीता खबिया, आभा दूगड़ ,सरे कुंवर डोसी ,सपना सालेचा, पुष्पा चंडालिया सीमा चोरडिया आदि भी अभियान में सम्मिलित हुईं। पोस्टकार्ड लिखे और सभी से आह्वान किया। एनसीसी जूनियर कंपनी के 40 छात्र सैनिकों ने पोस्टकार्ड अभियान में भाग लिया। गांधी चौराहा पर चल रहे इस पोस्टकार्ड अभियान में प्रतिदिन अजीजुल्लाह खान खालिद, राधेश्याम मालवीय, बंसीलाल टांक, श्रीमती सीमा चोरडिया अपनी सेवाएं निरंतर दे रहे हैं।

वन स्टाप सेंटर के प्रशासकों और काउंसलर्स की 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 16 अक्टूबर से

मंदसौर। किसी भी प्रकार की हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में 57 वन स्टाप सेंटर संचालित हैं। हिंसा पीति महिलाओं की शिकायतों का निराकरण वन स्टाप सेंटर के प्रशासक द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त इन पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं की काउंसलिंग भी की जाती है। महिला बाल विकास विभाग द्वारा इन प्रशिक्षकों एवं काउंसलर्स के लिये 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 16 एवं 17 अक्टूबर को होटल पलाश भोपाल में की जा रही है। आयुक्त, महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूखी प्रातः 11 बजे कार्यशाला का शुभारंभ करेंगी। प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशासक संवेदीकरण, मनोवैज्ञानिक परामर्श, नये कानूनों में संशोधन, जेंडर संवेदीकरण, फेमिली काउंसलिंग एवं दस्तावेजीकरण आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की जायेगी।

निःशुल्क सायकलों का वितरण किया गया

नंदावता। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंदावता में बालक - बालिकाओं को शासन द्वारा निःशुल्क सायकलों का वितरण किया गया इस अवसर पर जनपद सदस्य भगत गामी ने विद्यार्थियों का माला पहनाकर स्वागत किया उन्होने कहा की समीप के गांवो से आने वाले छात्र छात्राओ को अपनी पढ़ाई जारी रखने मे सुविधा हो सकेगी। इस अवसर पर स्कूल शिक्षक पालक संघ के अध्यक्ष रमेश गिर ,संस्था प्रधान दुर्गालाल सेन, शम्भू सिंह खरवर, मनोहर झावा, कंवर लाल प्रजापति, कैलाश पाटीदार, वजेराम बामनिया, पिंकी कुमावत, गायत्री प्रसाद शर्मा, प्रेरणा उपाध्याय, अरविंद पटेल, रानु सेन, मान गिरी आदि के साथ पालक गण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रामरतन कुमावत ने किया आभार चन्द्र

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, दो संस्थानों से लिए सेम्पल

मंदसौर।

जिला कलेक्टर के निदेशानुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

15 अक्टूबर मंगलवार को कार्यवाही के दौरान दो संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 15 अक्टूबर

मंगलवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के श्याम किराना स्टोर्स से श्रद्धा घी और हेमन्त रोप ट्रेडर्स से हेरिटेज घी के नमुने लिये गये हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल रेफर किया गया

भानपुरा (मन्दसौर)।

राजस्थान क्षेत्र के रामगंजमंडी थाना क्षेत्र से दुधाखेड़ी माताजी मंदिर के लिए एक बाइक पर एक भाई व दो बहनें सवार होकर आ रहे थे।

रतनपुरा बालाजी एवं मां नानादेवी माताजी मंदिर के समीप अनियंत्रित बिना नंबर के पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दिए जाने से बाइक सवार घायल हो गए। सूचना पर 100 डायल वाहन से घायलों को शासकीय चिकित्सालय भानपुरा पहुंचाया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद रामगंजमंडी थाना क्षेत्र के ग्राम की रिछडीया से एक बाइक पर भाई बहन कपिल सेन उम्र 20 वर्ष, नेहा सेन उम्र 22 वर्ष, निकिता सेन उम्र 21 वर्ष भानपुरा तहसील क्षेत्र में स्थित धार्मिक आस्था के केंद्र एवं आरोग्यधाम दुधाखेड़ी माताजी दर्शन के लिए आ रहे थे।दोपहर करीब 1.30 बजे रतनपुरा बालाजी एवं मां नाना देवी माताजी मंदिर के समीप अनियंत्रित बिना नंबर के पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दिए जाने से बाइक सवार घायल हो गए। सूचना पर 100 डायल वाहन मौके पर पहुंचा एवं घायलों को शासकीय चिकित्सालय भानपुरा पहुंचा। यहां प्राथमिक उपचार के बाद कपिल सेन को गंभीर चोट के चलते झालावाड़ रेफर किया गया।

68 वीं राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भानपुरा की खुशी ने स्वर्ण पदक जीता

भानपुरा (मन्दसौर)।

माडल हायर सेकंडरी स्कूल की 12 वीं कक्षा की होनहार छात्रा खुशी अश्विन कलवाडिया व श्री सूर्यवंशी कुमारावत तंबोली समाज के उपाध्यक्ष रामस्वरूप कलवाड़िया की 18 वर्षीय पोत्री के द्वारा विगत सप्ताह सिहोर म.प्र. में आयोजित राज्यस्तरीय शालेय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 49 किलों वजन उठा कर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक विजेता बनी।

विद्यालय खेल शिक्षक किशोर कुमार माली एवं प्रचार्य कारुलाल कोयल ने सफल छात्रा खुशी कलवाडिया को बधाई देते हुए

बताया कि आगामी सूचना के बाद खुशी कलवाडिया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। कुमारी खुशी कलवाडिया ने बताया कि मॉडल विद्यालय के खेल शिक्षक किशोर माली सर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय स्तर तथा आगामी नवंबर में मध्य प्रदेश में ओपन वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में वह पूरे दम खम से अपना प्रदर्शन दोहराएगी एवं उनका सपना है कि राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में सफलतम उपलब्धि प्राप्त करें। यह शानदार उपलब्धि पर श्री सूर्यवंशी कुमावत तंबोली समाज भानपुरा के अध्यक्ष शिवाजी बंबोरिया कार्यकारिणी वह समाज जनों ने होनहार बालिका खुशी कलवाडिया को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

इंटक के प्रदेश सचिव बनने पर श्री डी एस चंद्रावत का फेडरेशन ने किया स्वागत

मंदसौर। मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन इंदौर कंपनी के महामंत्री श्री डी एस चंद्रावत को इंडियन नेशनल कांग्रेस इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ. जी संजीवा रेड्डी द्वारा अधिसूचना जारी कर मध्य प्रदेश के सचिव पद(प्रदेश इंटक) की जिम्मेदारी प्रदान की गई। उनकी इस उपलब्धि पर विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन मंदसौर द्वारा एक सादगी पूर्वक कार्यक्रम में स्वागत व अभिनंदन किया गया।

श्री चन्द्रावत का स्वागत कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र चाष्टा, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्रराव नवेल, उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा, शंकर खरे, क्षेत्रीय सचिव अरुण राठौर, सुनील सोलंकी, रामलाल प्रजापत, देवेंद्र सिंह चौहान, रामचंद्र भट्ट ,विजेंद्र सिंह, वीरेंद्र हाडा, भूपेंद्र गोस्वामी ,सुरेश मालवी, तेजमल साधु, अभिषेक शर्मा, कमलेश दायमा ,रमेश सुथार, जगदीश माली, अनिल साहू, दीपक साहू, दीपक चौहान, शुभम व कई अन्य साथियों द्वारा स्वागत किया। इस अवसर पर श्री चंद्रावत द्वारा अपने उद्बोधन में उन्हें दी गई नई जवाबदारी को पूर्ण ईमानदारी व निष्ठा के साथ व आउटसोर्स कर्मचारी, संविदा कर्मचारियों तथा सभी कर्मचारियों के लिए मेहनत व लगन से श्रमिक हितैषी निर्णय करवाने के पूरे प्रयास करने का आश्वासन दिया। उक्त जानकारी श्री दिलीप शर्मा द्वारा

सीडीपीओ आंगनवाडियों में बच्चों की उपस्थिति एवं खाने की गुणवत्ता चेक करें

मंदसौर।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज गरोठ एसडीएम कार्यालय में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा तुरन्त समाधान किया।

इसके साथ ही जिले के सभी अधिकारियों को ऑनलाइन वीसी के माध्यम से जोडक़र आम जनों की समस्याओं का तुरंत समाधान करवाया। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आंगनवाडियों में बच्चों की उपस्थिति के साथ ही खाने की गुणवत्ता चेक करे। साथ ही विधिवत अपना कार्य निरंतर करें। राजस्व विभाग केअधिकारी जमीन से जुड़े हुए मामले जैसे सीमांकन, नामांतरण, बटवारा इत्यादि प्रकरणों का तुरंत समाधान

करें तथा यह कार्य निरंतर चलना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सोयाबीन उपार्जन के लिए कृषकों के पंजीयन के पश्चात कृषक सत्यापन का कार्य जल्द पूर्ण करें। इसके लिए दल गठित करें तथा कार्य जल्द पूर्ण करें।

आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए पटाखा फैक्ट्री, दुकानों की जांच करें। ऐसे निर्माण उद्योग जिन्होंने निर्माण के लिए पंजीयन करवाया, लेकिन अन्य चीजें निर्माण कर रहे हैं, तो उन पर कार्यवाही करें।

इसके साथ जनसुनवाई के दौरान मारपीट, पीएम आवास, रास्ता विवाद, बटांकन, अतिक्रमण, रास्ते पर कब्जा, अनुदान सहायता, पेंशन सहायता इत्यादि के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए।

जिस पर कलेक्टर ने समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, गरोठ एसडीएम श्री चंदर सिंह सोलंकी सहित जिलाधिकारी

स्टोरी राइटर अमित गुप्ता के साथ धोखा

राजकुमार राव एवं तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही विवाद में पड़ गई है। इस फिल्म की कहानी लिखने का क्रेडिट अमित गुप्ता को नहीं मिला है। उन्होंने अपने वकील के माध्यम से निर्माताओं को कानूनी नोटिस भी भेजा था, लेकिन उन्हें केवल तसल्ली दी गई और न उन्हें नाम मिला न दाम। अमित गुप्ता ने में कहा कि लेखक सिर्फ नाम के लिए काम करता है। हम राइटर दिल से खुश रहते हैं कि अपना नाम होता है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति इतनी बेहतर नहीं होती। रोज़ कुआं खोदो और रोज़ पानी पियो वाली कहावत हम पर चरितार्थ होती है। मैं अपने हक की लड़ाई लड़ रहा हूँ। मैं काफी निराश और परेशान हो गया हूँ और मेरी स्थिति यह हो गई है कि मन करता है कि टी सीरीज़ की ऑफिस के सामने जा कर आत्महत्या कर लूं।

बजरंग बली का पंचमुखी अवतार

9ग्राफिक इंडिया के शरद देवराजन और जीवन जे. कांग द्वारा निर्मित द लेजेंड ऑफ हनुमान के नये सीजन में मुख्यी चरित्रों को शरद केलकर और दामन सिंह बग्गान ने अपनी आवाज दी है। उनके साथ दूसरे कलाकार भी हैं और द लेंजेंड ऑफ हनुमान का नया सीजन 25 अक्टूखबर, से घमासान युद्ध दिखाएगा9नये सीजन के रचनाकार तथा कार्यकारी निर्माता शरद देवराजन ने कहा, ''द लेजेंड ऑफ हनुमान ने हमेशा भारतीय एनिमेशन और स्टोसरीटेलिंग की सीमाओं को चुनौती दी है। सीजन 5 में हम इसे और भी नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं, क्योंपकि इस बार हनुमान अपने पंचमुखी अवतार में होगे। इस बार उनकी असीम शक्ति एवं बुद्धि को देखने का अवसर मिलेगा। इस सीजन में हमारे चहेते किरदार ज्यासदा आध्यापत्मिक और भावुक दिखाई पड़ेंगे और यह आत्मिक शक्ति, भक्ति तथा आशा की कायाकल्प कर देने वाली ताकत जैसे थीम दिखाएगा।

ज़माना गधा है

रियलिटी शो, 'इंडियन आइडल' अपने 15वें सीज़न ऑडिशन में असाधारण प्रतियोगी हैं दिल्ली की 23 वर्षीय सलोनी साज़, जो अनूठी आवाज़, व्यक्तित्व और आभा की धनी हैं। फिल्म 'धन धना धन गोल' के गाने बिल्लो रानी पर सलोनी के परफ़ॉर्मेंस ने उनकी खास और हस्की आवाज़ की ओर जजों का ध्यान आकर्षित किया।सलोनी ने यह भी बताया कि कई लोग उनकी आवाज़ को मर्दाना कहकर आलोचना करते हैं। यहां तक कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी आमतौर पर नकारात्मक कमेंट ही मिलते हैं। इस पर गुस्साए विशाल ने कहा, ज़माना गधा है। कुछ लोग आपको कभी नहीं समझ पाएंगे लेकिन संगीत जगत में काम करने वाले लोग, जो इसे समझ सकते हैं, वे हमेशा आपकी आवाज़ की तारीफ करेंगे ।

टीन लव ड्रामा गुटर गु सीजन 2

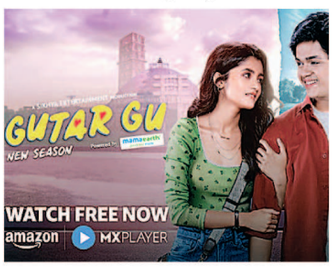

गुटर गु सीजन 2 अब लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। अपने पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह फैन-फेवरेट टीन रोमांस ड्रामा अब अनूज और ऋतु की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के अगले अध्याय के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में उनके रोमांस का एक नया पहलू सामने आता है क्योंकि उनकी प्रेम कहानी को लंबी दूरी के रूप में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। साकिब पंडोर द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस, सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुटर गु सीजन 2 में प्रिय मुख्य कलाकारों की वापसी हो रही है, जिसमें विशेश बंसल और अशलेशा ठाकुर अपने अनूज और ऋतु के किरदारों को फिर से निभा रहे हैं। नए सीजन में अनूज और ऋतु के जीवन के कुछ सुखद पहलू और कुछ दुखद पहलू दिखाए गए हैं, क्योंकि वे भोपाल से अहमदाबाद के लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को निभाने की कोशिश करते हैं। यह सीरीज उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है, जहाँ वे अपने करियर को बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही एक-दूसरे से जुड़े रहने की जद्दोजहद भी कर रहे हैं। जैसे-जैसे वे प्यार, बिछड़ने और तड़प से गुजरते हैं, यह दूरी उनके रिश्ते की परीक्षा लेती है, जिससे गलतफहमियाँ और दिल टूटने के पल आते हैं।

टूर डी रॉयल का नया सीजन महलों और किलों के जादुई आकर्षण को उजागर करेगा

हिस्ट्री टीवी18 की आकर्षक सीरीज़ टूर डी रॉयल एक नए सीज़न के साथ लौट आया है, जो भारत के महलों, हेरिटेज होटलों और किलों की शानदार दुनिया दर्शकों को एक असाधारण यात्रा पर ले जाने का इंतज़ार कर रही है 7 करिश्माई जादूगर, नील माधव द्वारा होस्ट की गई, यह 10-भाग की सीरीज़ इतिहास और जादू को अनोखे ढंग से जोड़ती है, जो दर्शकों को प्राचीन साम्राज्यों की समृद्ध विरासत और संस्कृति तक वो पहुँच प्रदान करती है जैसी पहले कभी नहीं देखी गई थी, और दर्शकों को शाही परिवारों के सदस्यों के साथ इन आश्चर्यजनक जगहों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करती है। टूर डी रॉयल इन प्रतिष्ठित परिवारों की समृद्धि और प्रभाव की एक करीबी झलक दिखाती है। दूसरा सीज़न हमें बड़ौदा, गोंडल, मूली, महेश्वर, ढेंकनाल, कालाहांडी, जोधपुर, बूंदी, नवलगढ़ और भोपाल के महलों और किलों में ले जाता है। प्रत्येक स्थान दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा जब वे इसे जादू के चश्मे से देखेंगे। मोटी किलों की दीवारों के भीतर और सोने से सुसज्जित दरवाजों के पीछे छिपी कहानियां जीवंत हो उठती हैं। नील इन स्मारकों के जगमग अतीत की खोज करते हैं - कैसे एक महान किला कभी अपने ग्रामीण लोगों का रक्षक था, कैसे महलों को शक्ति और प्रतिष्ठा के प्रतीक के रूप में बनाया गया था, और कैसे शाही आतिथ्य और देखभाल आज भी जारी है जब मेहमानों का इन जगहों पर स्वागत किया जाता है जिन्हें हेरिटेज होटलों में बदल दिया गया है।

श्रीदेवी और रेखा के रिश्ते पर जाह्नवी कपूर बोलीं

रेखा और श्रीदेवी दोनों ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक स्टार रही हैं। दोनों ने ही अपनी एक्टिंग से देश भर के लोगों का दिल जीता और प्रसिद्धि हासिल की। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जाह्नवी कपूर ने रेखा और श्रीदेवी के रिश्ते के बारे में बात की। साथ ही बताया कि श्रीदेवी के निधन के बाद रेखा ही उन्हें सलाह देती हैं। हाल ही में फिल्मफेयर के साथ एक इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर ने कहा, 'मां ने जब पहली बार हिंदी फिल्मों में कदम रखा था। उस समय वो खुद को बड़ा ही खोया हुआ महसूस करती थीं। ऐसे में रेखा ने उनकी मदद की। उनका रिश्ता बेहद खास रहा। दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं, ताकि बच्चे उनकी बातों को ना समझें।' जाह्नवी कपूर ने कहा, 'मेरे जन्म के बाद मां परिवार पर ध्यान देने लगीं और फिल्मी दुनिया से कुछ वक्त के लिए दूरी बना ली थी। उस दौरान उन दोनों का कोई कॉन्टैक्ट नहीं रहा। लेकिन जब रेखा जी मेरे घर लंच पर आईं, तब मैं लगभग 14 साल की थी। मैंने उनका स्वागत किया, और उन्होंने मुझे कहा कि मुझे उन्हें पेद्दाम्मा कहना चाहिए। तेलुगु में इसका मतलब बड़ी मां है।'

उर्वशी ने चुरा ली लाइमलाइट

जिस क्षण उर्वशी रौतेला ने डिजाइनर दीना मेलवानी कॉउचर द्वारा एक सुंदर और मंत्रमुग्ध कर देने वाले हीरे से भरे शानदार आउटफिट में 20.3 लाख रुपये की शानदार एंट्री की और एक बार फिर, उन्होंने सबसे हॉट और सबसे वांछनीय दिवा के रूप में अपनी श्रेष्ठता साबित की। उसके सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ उसकी उत्साही मुस्कान उसे पूर्ण बनाती है। काले और चांदी का संयोजन उस पर घातक दिखता है।

रुपेश प्लेबैक सिंगर बन गए

सारेगामापा के कंटेस्टेंट रुपेश मिश्रा ने एक बड़ी सफलता हासिल कर ली है। वे राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्म 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में 'चुम्मा' गाने के प्लेबैक सिंगर बन गए हैं। हालांकि रुपेश को मिला यह बेमिसाल मौका उन लोगों के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं, जिन्होंने इस शो में रुपेश के सफर को देखा है, जहां उनके टैलेंट, कड़ी मेहनत और लगन ने हमेशा शो के मेंटर सचिन और जिगर से बेशुमार तारीफें हासिल की हैं। इस फिल्म के म्यूज़िक डायरेक्टर्स के तौर पर सचिन और जिगर ने रुपेश को अपना यह ताजातरीन ट्रैक गाने का सुनहरा मौका देकर उनके टैलेंट और उनकी लगन को एक नई पहचान दी है।

आर माधवन हिंदी सिनेमा के मोस्ट इंफ्लूएन्शल फादर बने

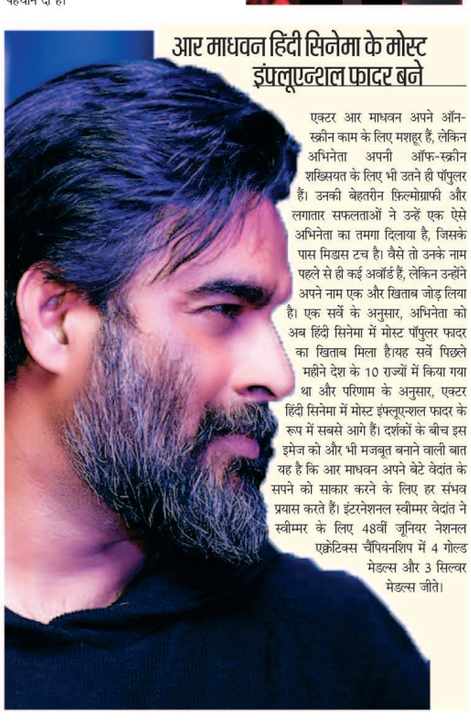

एक्टर आर माधवन अपने ऑन-स्क्रीन काम के लिए मशहूर हैं, लेकिन अभिनेता अपनी ऑफ-स्क्रीन शख्सियत के लिए भी उतने ही पॉपुलर हैं। उनकी बेहतरीन फ़िल्मोग्राफी और लगातार सफलताओं ने उन्हें एक ऐसे अभिनेता का तमगा दिलाया है, जिसके पास मिडास टच है। वैसे तो उनके नाम पहले से ही कई अवॉर्ड हैं, लेकिन उन्होंने अपने नाम एक और खिताब जोड़ लिया है। एक सर्वे के अनुसार, अभिनेता को अब हिंदी सिनेमा में मोस्ट पॉपुलर फादर का खिताब मिला है।यह सर्वे पिछले महीने देश के 10 राज्यों में किया गया था और परिणाम के अनुसार, एक्टर हिंदी सिनेमा में मोस्ट इंफ्लूएन्शल फादर के रूप में सबसे आगे हैं। दर्शकों के बीच इस इमेज को और भी मजबूत बनाने वाली बात यह है कि आर माधवन अपने बेटे वेदांत के सपने को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। इंटरनेशनल स्वीम्मर वेदांत ने स्वीम्मर के लिए 48वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में 4 गोल्ड मेडल्स और 3 सिल्वर मेडल्स जीते।

शाहरुख की सच्ची प्रशंसक हैं निकिता

शाहरुख खान के लिए निकिता दत्ता का प्यार कोई सीमा नहीं है। बार-बार, प्रतिभाशाली अभिनेत्री ने शाहरुख खान के लिए अपने प्यार का इजहार किया है और हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के एक ट्रैक पर थिरकती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अजरबैजान के बाकू में अपने समय का आनंद ले रही थी, जब वह एक दुकान पर गई जहां दुकानदार ने मेहंदी लगा कर रखना गाना बजाया। शाहरुख खान की कट्टर प्रशंसक अभिनेत्री दुकान पर खड़ी हो गई और नाचने लगी. अभिनेत्री ने अपना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और इसे कैप्शन दिया, ÷एक सार्वभौमिक प्रेम भाषा है। इसे ञ्चद्बड्डद्बह्लह्म्ड्ढ कहा जाता है। यह बाकू में एक बाकलावा की दुकान है! इस आदमी के पास उसके गानों से भरी पूरी प्लेलिस्ट थी।÷

सत्ताधारी दल के विधायक भयभीत, तो जनता के हालात क्या होंगे ?

इंदौर/भोपाल/सतना । (राजेन्द्र के.गुप्ता 2/सात्विक गुप्ता) कहते है पॉवर (सत्ता) जिसके पास होता है वह स्वमेव होकर, मदमस्त हो जाता है और उसी सिस्टम की तरह काम करता है, जिससे कभी वो भी जूझा होगा, इतिहास में लिखा है न्यायप्रिय राजा अपने राज्य और जनता की वास्तविक स्थिति जानने के लिए भेष बदल कर, जनता के बीच जाते थे और वास्तविकता जान कर आदेश जारी करते थे । अब अखबार, एक्टिविस्ट, व्हीसल ब्लोअर और विपक्ष जानकारी देता है फिर भी कार्यवाही नही होती है।

ऊंचे पद पर पहुंचने वाले नेता, जिस सिस्टम से जूझे होंगे, उस सिस्टम को सुधारने के लिए कठोर कदम क्यों नही उठाते ?

दो जिलों के आबकारी और पुलिस अफसरों पर कार्यवाही क्यों नही कर पा रही है सरकार ?

आश्चर्य इस बात का है कि सत्ताधारी दल के वरिष्ठ विधायक, अफसरों के चरणों में दंडवत हो रहे है, शराब माफियाओं से जान को खतरा बता रहे है, भयभीत है, उनकी थानों में सुनी नहीं जा रही है, इस्तीफे भेज रहे है....तो फिर जनता की कौन सुनता होगा ? मोदीजी और अमित शाहजी के द्वारा भाजपा की कमान संभालने के बाद, मध्यप्रदेश में यह पहला अवसर है जब सत्ताधारी दल के कई विधायक, वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री खुलेआम और सार्वजनिक रूप से अव्यवस्था, अराजकता, शराब माफियाओं के अनियंत्रित होने की आवाज उठा रहे है, कार्यवाही करने की भीख सी मांग रहे है। विपक्ष जो आरोप सरकार पर मढ़ता है, वैसे ही आरोप सत्तापक्ष के विधायक लगा रहे है, इस्तीफा दे रहे है, इसे पार्टी को गंभीरता से लेना चाहिए और उन समस्याओं को और समस्या पैदा करने वालो को अच्छे से निपटाना चाहिए, जिनके कारण ये स्थिति बनी है उन्हें तत्काल हटा कर अटैच करना चाहिए। वर्ना सत्ता जाने के बाद सिर्फ मंथन ही होता है क्योंकि जनता में मेसेज तो जा ही रहा है। गैरों (विपक्ष) की ना सही अपनों की बातों पर तो सख्त एक्शन होना चाहिए।

तमाम कोशिशों के बाद भी सत्ता पक्ष के विधायकों की मांग पर, ठोस कार्यवाही नही होने की खबरें आना, सत्ता पक्ष के विधायको के द्वारा सुविधाएं छोड़ना, किसका फेल होना माना जाना चाहिए ? खरगौन में नाबालिक प्रतिभावान बच्ची के द्वारा अवैध शराब की बिक्री के कारण आत्मदाह करना (सुसाईड नोट के अनुसार), उसके बाद नौ-दुर्गा की अवधि में, छेड़छाड़ से परेशान होकर खंडवा की लाडली के द्वारा आत्मदाह करना, ये घटनाएं बताती है कि सत्ताधारी विधायकों की मांग जायज है, विधायक कोई बड़ी घटना होने के पूर्व ही अपनी मांगों के जरिए सरकार को चेता रहे है, घटना होने के बाद तो सिर्फ लकीर ही पीटी जाती है। कुछी में ट्रेनी आईएएस और तहसीलदार के द्वारा शराब तस्करी पकड़ने पर, उन अफसरों के साथ शराब तस्करों के द्वारा मारपीट और अपहरण करने वाली घटना में, जेल भेजे गए लाइसेंसी रिंकू भाटिया को फिर लाइसेंस दे दिए गए है। झाबुआ में एक साथ 13 ट्रक पकड़ा जाते है। दमन, दीव भेजने के नाम पर, प्रतिदिन धड़ल्ले से शराब की तस्करी गुजरात की जा रही है ! दमन, दीव के टोल और वहां शराब पहुंचने की पुष्टि के रिकार्ड की जांच करने की मांग की गई है, कई महीने बीते ऑन लाईन ट्रैकिंग रिकॉर्ड की ही जांच नहीं की गई है। खरगौन आबकारी एसी अभिषेक तिवारी का यह प्रतिवेदन देना की नर्मदा किनारे सघन आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण करवाही में परेशानी आती है, अपनी नाकामी और अकर्मण्यता को छुपाने वाला लगता है। सरकार ने क्षेत्र की स्थिति देख कर, नर्मदा किनारे शराब प्रतिबंधित की है। शराब तस्करी, खनन माफियाओं के द्वारा की गई ऐसी कई घटनाएं इस बात का प्रमाण है कि माफिया हावी है क्योंकि घटनाएं रुक नही रही है, कुछ दिनों में अधिकारियों, कर्मचारियों पर गाड़ी चढ़ा देने की एक नई घटना सामने आ जाती है। क्या दागियों, माफियाओं को उच्च स्तर से राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है ? खरगौन में नाबालिक लाड़ली के द्वारा अवैध शराब बिक्री के कारण आत्मदाह करने वाली घटना ने प्रदेश को पूरी दुनिया की नजर में शर्मशार कर दिया है, फिर भी आबकारी अफसर पर कार्यवाही नही होना और वही अंगद के पैर की तरह टिके (पदस्थ) होना, सरकार की मंशा को साफ दर्शा रहा रहा, हो सकता है भविष्य में ऐसे अफसर को अधिक बड़े जिले में पदस्थ कर दिया जाए। खैर जिन सत्ताधारी विधायकों के द्वारा जिन मुद्दों पर आवाज उठाई जा रही है, वो मुद्दे कही ना कही पार्टी को पुनः सत्ता में लाने के लिए बताए जाने वाले है। आवाज उठाने वाले विधायक दूसरी, तीसरी बार जीते है। आज नहीं तो कल जिम्मेदारों को जवाब तो देना होगा। क्या अब विपक्ष के साथ अपनों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है ? शास्त्र और शस्त्र किसके लिए, कब उठाना है, ये पता होना चाहिए या सिर्फ ये बाते विज्ञापन के लिए ही है ? सतना और खरगौन दो जिलों के अफसरों और माफियाओं पर कार्यवाही करने के मामले में सरकार लाचार नजर क्यों आ रही है ?

जिन परिस्थितियों से जूझे थे, उन्हें ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद नेता सुधारते क्यों नहीं ?

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है जो राजनेता और अधिकारी ऊंचे पद पर पहुंच कर, अपनी राजनीति या अफसरशाही जमाने के लिए और काम करवाने के लिए दर – दर जाते थे, वो उच्च पद पर पहुंच कर, उन परेशानियों और जिल्लत को भूल जाते है। जिस सिस्टम से वो भी कभी जूझे होंगे उस सिस्टम को बदलते क्यों नहीं है ऊंचे पद पर पहुंच कर सिस्टम बदलने के लिए कठोर कदम क्यों नहीं उठाते है ? उसी सिस्टम को आगे क्यों बढ़ाते है यही कारण है आने वाली पीढ़ी को या उनको लौट कर वही मिलता है। ऊंचे पद पर पहुंच कर उन बातों को हल्के में लिया जाता है जो कभी उनके लिए भी परेशानियों का सबब बनी थी। सत्ता पक्ष के कई विधायक और पूर्व वरिष्ठ मंत्री तक कई दिनों से आवाज उठा रहे है, अफसरों के आगे दंडवत हो रहे है, इस्तीफे भेज रहे है, फिर भी कठोर कार्यवाही नही हो रही है, जो जनता को आश्चर्य में डाल रहा है ! अब जनता इसे अहंकार कह रही है...क्योंकि वरिष्ठ विधायकों की मांग और शिकायतों का ये हश्र है तो, आमजन की स्थिति को समझा जा सकता है..विधायक प्रदीप पटेल (पूर्व में राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त पद पर पदस्थ रह चुके है), विधायक बृजबिहारी पटेरिया, विधायक प्रदीप लारिया ने माफियाओं, अफसरों से परेशान होकर, आमजन की तरह खुल कर शिकायतें की, पूर्व मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता गोपाल भार्गव सहित अन्य ने इन विधायकों की मांग का समर्थन किया है, मामलों की खबरें प्रतिदिन प्रकाशित हो रही है। सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि सतना और खरगौन के आबकारी, पुलिस अधिकारियों पर कार्यवाही नही कर पा रही है ? इन जिलों के उन शराब तस्करों को जेल नही भेज पा रही है जिनके तस्करी में लिप्त होने की शिकायतें हुई है ? जिन परिस्थितियों से राजनेता कभी जूझे थे, वो ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद उन परिस्थितियों को, उस सिस्टम को सुधारते क्यों नहीं ?

संगठन की नसीहत से पटरी पर आए भाजपा विधायक

इन्दौर। बीते दिनों जिस तरह से भाजपा विधायकों द्वारा प्रदेश की कानून व्यवस्था और अफसरशाही को लेकर सार्वजनिक रुप से नाराजगी का प्रदर्शन किया गया , उससे सरकार के साथ ही संगठन की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे थे। ऐसे मामलों को संगठन ने बेहद गंभीरता से लिया। यही वजह है कि बीते दिन संगठन ने ऐसे विधायकों को भोपाल बुलाकर नसीहत की ऐसी घुट्टी पिलाई कि उनके सुर ही पूरी तरह से बदल गए। दरअसल, कानून-व्यवस्था पर खुलेआम नाराजगी जाहिर कर चुके भाजपा विधायकों को बीते रोज सत्ता और संगठन के सामने प्रदेश भाजपा कार्यालय में तलब किया गया था। यह बात अलग है कि सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहे मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल पेशी पर नहीं पहुंचे, लेकिन उनके द्वारा सफाई दी गई कि जल्दी में उन्हें रिजर्वेशन नहीं मिल पाया जिसकी वजह से भोपाल नहीं पहुंच सके हैं। उधर, पुलिस में सुनवाई नहीं होने पर इस्तीफा लिखने वाले देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया, और शराब माफिया-सट्टेबाजी से परेशान नरयावली विधायक प्रदीप लारिया की बंद कमरे में सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने सुनवाई की। दोनों को पार्टी लाइन में रहकर बात करने की नसीहत दी गई। इस बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष वीडी ने कहा, भाजपा में सतत संवाद की पद्धति है। समय-समय पर चर्चा करते हैं। आज भी कुछ विधायकों से आवश्यक चर्चा हुई है।गौरतलब है कि मऊगंज के विधायक प्रदीप पटेल ने एसपी के पैरों में गिर कर खुद की सुरक्षा की मांग की थी। इसका वीडियो भी सामने आया था। उन्होंने कहा था कि यह जिला पूरी तरह से नशाखोरी की चपेट में है।

प्रदीप पटेल हो गए थे दंडवत- शराब और नशा माफिया के खिलाफ आंदोलन कर रहे मऊगंज से बीजेपी विधायक प्रदीप पटेल पार्टी नेतृत्व के बुलाने के बाद भी भोपाल नहीं आएं। अपनी कार्यशैली से पार्टी को मुसीबत में डालने की बात पर पटेल का कहना था कि मेरे क्षेत्र में किराना और जनरल स्टोर्स तक पर नशे का सामान मिल रहा है। ये बात उठा रहा हूं तो कुछ लोग माहौल बना रहे हैं कि मैं सेटिंग करने का प्रयास कर रहा हूं। कोई कहता है कि मैं पुलिस पर प्रेशर बना रहा हूं। आईजी साहब अपने आंकड़ों का तर्क देते हैं कि हमने इतने बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर दी।

इसका मतलब यही है कि ये कारोबार रुकने की बजाए और ज्यादा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार भी चाहती है कि प्रदेश नशामुक्त हो। मैं भी सरकार के उसी अभियान को आगे बढ़ा रहा हूं। इसमें सरकार के खिलाफ जाने वाली कौन सी बात है। दरअसल, पटेल बुधवार को मऊगंज के एएसपी अनुराग पांडे के सामने दंडवत हो गए थे। विधायक हाथ जोड़कर कहने लगे, एएसपी साहब, आप मुझे मरवा दीजिए। इसका वीडियो भी सामने आया। इसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई। लेकिन, उन्होंने अतिरिक्त सुरक्षा लेने की बजाय पहले से मिले सुरक्षाकर्मी भी शासन को लौटा दिए। अब वे अपने क्षेत्र में बस-बाइक से ही सफर कर रहे हैं।

आधी रात को इस्तीफे का ऐलान करने वाले देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया को 15 मिनट सत्ता और संगठन ने सुना। उन्होंने स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया। बैठक के बाद उन्होंने सफाई दी की तो उन्होंने कि गुस्से में आकर इस्तीफा दे दिया था, अब सबकुछ ठीक है। मैंने संगठन के समक्ष अपनी बात रख दी है। उधर, सागर में शराब माफिया और सट्टेबाजी से परेशान होकर पुलिस के सामने समर्थकों के साथ शिकायत करने वाले नरयावली विधायक प्रदीप लारिया आधे घंटे तक बैठे रहे। पुलिस की लापरवाही का मुद्दा उठाया। समझाइश के बाद बाहर निकले लारिया ने कहा कि हमारी तो कोई नाराजगी ही नहीं थी। अपने क्षेत्र की बातें रखीं। गौरतलब है कि मऊगंज के विधायक प्रदीप पटेल ने एसपी के पैरों में गिर कर खुद की सुरक्षा की मांग की थी। इसका वीडियो भी सामने आया था। उन्होंने कहा था कि यह जिला पूरी तरह से नशाखोरी की चपेट में है। प्रदेश कार्यालय में चुनाव समिति की बैठक के साथ ही नाराज विधायकों से भी पार्टी नेताओं ने वन टू वन चर्चा की।

सबसे पहले भार्गव हुए थे सक्रिय- जैसे ही विधायक पटेरिया का इस्तीफा वायरल होने की जानकारी पूर्व मंत्री और विधायक गोपाल भार्गव को लगी तो उन्होंने तत्काल उनसे फोन पर बातचीत की। भार्गव ने इस्तीफा स्पीकर को ना भेजने के लिए मनाया। गोपाल भार्गव ने तत्काल कलेक्टर और एसपी से बातचीत की। विधायक की सुनवाई न होने पर नाराजगी जताई। इस्तीफा वायरल होने के कारण पुलिस प्रशासन भी दबाव में आया। इसके बाद तत्काल एसपी, कलेक्टर ने एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा को केसली भेजा।

राग दरबारी

अब होटल चलो मेरे प्यारे !

और बेताल ने अपने फेसबुक फ्रेंडों को धमाधम लाइक्स का ठेंगा चेपते हुए विक्रम से कहा- हे राजन ! आज मैं फेसबुक पर एक स्टोरी कट-पेस्ट कर रहा हूं। इसे पढ़कर सही-सही कमेंट करना वरना तुम्हारा नेट पैकेज खत्म कर दूंगा। इस टिप्पणी के साथ बेताल ने फेसबुक पर ये स्टोरी लांच की- जम्मूद्वीपे उत्तराखंडे एक घर में पति-पत्नी रहा करते। जैसा कि सिद्धांत था, वे लड़ने-झगड़ने जैसे पवित्र कार्य में लगे रहते। वे मानते थे कि पति-पत्नी एक साथ एक थाली में खाएंगे, तो उनके बीच प्रेम बढ़ेगा। आजकल ऐसा अक्सर होता है कि प्यार जताने के लिए पति-पत्नी एक ही थाली में खाने का प्रिय नाटक खेलते हैं। लेकिन क्या पति-पत्नी का एक ही थाली में खाना फायदेमंद होता है? इसी बात को लेकर आज उनमें बढ़िया महाभारत शुरू हो गई। अपने-अपने कुतर्कों के विशिष्ट तर्कों से दोनों ने एक दूसरे पर सात्विक रूप से हमला किया। पत्नी उवाच- सुनो प्रीतम प्यारे! महाभारत के अनुशासन पर्व में पितामह भीष्म ने कहा कि पति-पत्नी का एक साथ थाली में खाना अच्छा नहीं होता। वह खाना मद के समान होता है क्योंकि प्रेम आपके ऊपर ज्यादा हावी हो जाता है। जिसके चलते आप दीन-दुनिया से बेखबर हो जाते हैं और परिवार में लड़ाई-झगड़ा शुरू हो जाता है। इसलिए आइए और लड़ाई में सम्मिलित हो जाइए। कहते हुए पत्नी ने बेलन फेंक मारा जो अचूक निशाने के कारण पतिदेव की गंजत्व प्राप्त चिकन खोपड़ी पर जा लगा। फिर पत्नी ने अपना प्रिय वक्तव्य जारी किया- आज खाने में क्या बनाऊं? इस यक्ष प्रश्न का उत्तर, पतिदेव तो क्या भगवान विष्णु के पास भी नहीं है। तब पतिदेव ने अपनी बातों की कड़ाही चढ़ाई- कुछ भी बना लो! पत्नी- कुछ क्या? वही बनाऊंगी, जो आप कहेंगे! पति- दाल चावल बना लो। पत्नी- सुबह ही खाए थे। पति- तो रोटी सब्जी बना लो। पत्नी- रोज रोटी सब्जी! लोग क्या कहेंगे? पति- तो डोसा बना लो। पत्नी- पहले कहते! इसमें बहुत टाइम लगता है। पति- परांठे! पत्नी- रात में नहीं खाने चाहिए। पति- कढ़ी चावल? पत्नी- इसके लिए दही चाहिए? आप दूध ही कहां छोड़ते हैं! पति- एक काम करो खिचड़ी बना लो। पत्नी- इससे पेट नहीं भरता है। पति- तो फिर क्या बनाओगी? पत्नी- वही जो आप बताओ। यह ब्रह्म वाक्य सुनकर पतिदेव दसों खाने चित्त हो गए। पतिदेव के चेहरे पर जितनी भी हवाइयां थी वह आसमान में उड़ गई। इस शिखर वार्ता के अंत में पतिदेव सोफे पर लुढ़क गए। तब पत्नी श्री बहुत सारी दवाएं लेकर सीन पर हाजिर हुईं। पत्नी ने कहना शुरू किया- ये लो खाने से पहले बुखार की दवा खा लो। पति- नहीं मुझे बुखार नहीं है। पत्नी- तो डाइजीन ले लो। पति- नहीं मुझे गैस भी नहीं है। पत्नी- तो फिर पुदीनहरा ले लो। पति- नहीं मेरा पेट भी ठीक है। पत्नी- लो दर्द की दवा ही ले लो, हाथ-पैर दुखने बंद हो जाएंगे। पति- अरे गजब करती हो! मुझे कुछ नहीं हुआ है। मैं एकदम ठीक हूं, तंदुरुस्त हूं। पत्नी- तो फिर उठो फटाफट! होटल चलते हैं खाने के लिए। मेरे गोविंद होटल चलिए! कहानी पढ़कर विक्रम ने टाइप किया- इस कहानी में पत्नी मंत्री है और पति बेचारी जनता! इतना टाइप करते ही बेताल ने एक साथ हजारों अंगूठे लाइक्स टाइप किए। साथ में कैप्शन चेपा- विक्रम! तू तो बहुत सयाना हो गया है रे!

रामविलास जांगिड़,18, उत्तम नगर, घूघरा, अजमेर

कटाक्ष

विकास की रेल

उनका ये वादा है
कि वे
भ्रष्टाचार की पटरी पर
विकास की
दौड़ायेंगे रेल
इस हेतु चाहे जैसा भी
खेलना पड़े खेल

एहसान का बदला

नेता का पहला नारा है
हमें वोट दीजिये
फिर हमसे काम लीजिये
हमने लालच में आकर
उनको खूब वोट दिया
परंतु जीतकर उन्होंने
हम पर इस तरह चोट किया
अब वे बकरे की तरह
हलाल कर हमें खाते हैं
पूरे पांच साल तक
ईद मनाते हैं

तरक्की

फाइलों ने इतनी
तरक्की कर ली है
कि वे अब
रिश्वत के पहियों पर
बेखटके दौड़ती हैं
किसे भी नहीं छोड़ती हैं

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

मोहन की कार्यशैली का कायल हुआ भाजपा नेतृत्व

प्रदेश सरकार के मुखिया डॉ मोहन यादव का कद पार्टी के साथ ही प्रदेश की राजनीति में तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह है उनका सहज और सरल होने के साथ ही काम करने की शैली। वे वैसे तो अब प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन अब भी उनमें कार्यकर्ता का भाव पूरी तरह से बना हुआ है। यही वजह है कि उनका प्रभाव व लोकप्रियता दोनों में तेजी से वृद्धि होती जा रही है। यही वजह है कि चुनाव प्रचार हो या फिर संगठन का अन्य को काम वे पूरी सिद्दत से उसे पूरा करने में जुट जाते हैं। हाल ही में पार्टी हाईकमान ने उन्हें हरियाणा जैसे बेहद महत्वपूर्ण राज्य की सरकार के लिए मुख्यमंत्री चयन के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ पर्यवेक्षक बनाया है। यह इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि उन्हें शाह के साथ जिम्मेदारी दी गई है। दरअसल, डां यादव अब ऐसे नेता बन चुके हैं , जिनकी गिनती पार्टी की संपत्ति के रूप में होने लगी है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री के बाद मुख्यमंत्री बने डां यादव ने अपनी राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से पहचान बनाई है। यही वजह है कि अब जिस राज्य में भी चुनाव होता है, उन्हें वहां कठिन और जातिगत समीकरणों के हिसाब से मुश्किल मानी जाने वाली सीटों पर प्रचार का जिम्मा दिया जाता है, जिसमें वे अपने अल्प कार्यकाल में ही बेहद सफल साबित हुए हैं। फिर चाहे मप्र का लोकसभा चुनाव हो या फिर हरियाणा का विधानसभा चुनाव। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में पांच विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया था। इसमें से चार सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। उन्होंने भाजपा की योजना के साथ पार्टी का जोरदार प्रचार किया था। उन्होंने भिवानी, तोशाम, दादरी और बवानी खेड़ा जैसी प्रमुख सीटों पर प्रचार किया था, जहां भाजपा के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। हरियाणा की राजनीति में जातिगत फैक्टर बहुत महत्वपूर्ण होता है। यहां पर राज्य के पश्चिमी हिस्से में जाट समुदाय राजनीतिक समीकरणों में उलटफेर करता है, लेकिन कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाट राजनीति को प्रभावित किया है। यहां पर ओबीसी और अहिरवाल बेल्ट में भाजपा की तरफ लोग आकर्षित हुए है। डॉ. मोहन यादव जैसे भाजपा नेताओं ने अहिरवाल बेल्ट में मतदाताओं को प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में कई सभाओं को संबोधित करने वाले मोहन यादव चुनावी समीकरणों को पार्टी के पक्ष में करने में सफल रहे हैं। हरियाणा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ उन्हें पर्यवेक्षक बनाया गया है। हरियाणा में हालांकि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का नाम तय कर दिया है, लेकिन वहां केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मुख्यमंत्री पद पर दावा कर रहे हैं। ऐसे में एक दर्जन यादव विधायकों को मनाने का जिम्मा डॉ मोहन यादव को दिया गया है। हरियाणा भाजपा विधायक दल की बैठक में विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। इस बैठक में सब कुछ आसानी से निपट जाए इसके लिए डॉक्टर मोहन यादव को अमित शाह के साथ भेजा गया है। इससे स्पष्ट है कि डॉक्टर मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बेहद विश्वास पात्र बने हुए हैं।

अखिलेश-तेजस्वी के सामने चुनौती

प्रदेश सरकार के मुखिया बनने के बाद वे देश भर के पढ़े-लिखे युवा यादव मतदाताओं के आइकॉन बन रहे हैं, तो दूसरी और सामाजिक रुप से जातिगत समीकरण साधने में भी बेहद प्रभाव छोड़ रहे हैं। यही वजह है कि अब उन्हें पूरी तरह से उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी के विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है। यह वे दो राज्य हैं, जहां पर जातिगत समीकरण भाजपा को परेशान किए रहते थे, लेकिन अब इन दोनों राज्यों में पार्टी की राह आसान हाती दिखने लगी है। दरअसल डां मोहन यादव इन दोनों राज्यों में भी अपनी सक्रियता बनाए हुए हैं। इसका फायदा पार्टी को विधानसभा चुनाव में मिलना तय माना जा रहा है। इसके अलावा ओबीसी वर्ग को लुभाने के लिए भी भाजपा उनका भी उपयोग कर रही है।

अब विकास का नया मोहन मॉडल

प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने वाले डॉ. मोहन यादव का अभी महज दस माह का ही कार्यकाल हुआ है। इस कम अवधि में वे प्रदेश का नया विकास मॉडल लाने में भी सफल् रहे हैं। दरअसल,विकास का यह 'मोहन मॉडल' प्रदेश की उन्नति के साथ जन कल्याण के मार्ग भी खोल रहा है। यह सही भी है क्योंकि प्रदेश में विकास और जन कल्याण के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। दस माह के अपने शासन में डॉ. मोहन यादव ने इन्वेस्टर समिट का क्षेत्रीय फार्मूला 'रीजनल इंडस्ट्रीज कांक्लेव' लागू कर मध्य प्रदेश को उद्योग तथा निवेश के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री ने योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए ही पहली बार शक्तिशाली सीएमओ के रचना की है।

लोकसभा चुनाव की अग्नि परीक्षा में उतर चुके हैं खरे

सीएम बनने के बाद मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव की बड़ी अग्निपरीक्षा लोकसभा चुनाव में थी, जिसमें वे पूरी तरह से खरे उतर चुके हैं। इस चुनाव में उनके सामने शिवराज सिंह चौहान का रिकॉर्ड था, जिसे तोड़ना आसान नहीं माना जा रहा था। मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 सीटें हैं और शिवराज लोकसभा चुनावों में बड़ी जीत दिला चुके थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com